RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 272 , बुधवार, 18 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com





जिला के 67 पंचायतों में आयोजित हुआ सहयोग शिविर 03



प्रतिनियुक्त विशेष सर्वेक्षण अमीनों को दिया जा रहा राजस्व कार्यों का प्रशिक्षण 04

प्रेगनेंसी के शुरुआती 3 महीने थे बहुत कठिन, महिलाओं का साथ जरुरी... 07

जल्द ही कम हो सकता है हवाई किराया, बढ़ेंगी कई फ्लाइट्स

भारत 1,000 विमान खरीदेगा ,पीयूष गोयल ने बताया बड़ा प्लान

बोले-कुल 2,000 प्लेन की जरूरत,1200 का ऑर्डर पहले दिया



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत अपनी बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने के लिए तैयार है। विमानों की संख्या बढ़ने से हवाई किराया कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि देश इस समय विमानों की भारी कमी से जूझ रहा है और कुल जरूरत को पूरा करने के लिए भारत को 2,000 से ज्यादा विमानों की जरूरत होगी। इसलिए विमान बनाने वाली कंपनियों से तेज लगातार बातचीत हो रही है। दो दिन के मिस्र दौरे पर पहुंचे पीयूष गोयल ने जानकारी दी।

भारत और मिस्र के बीच बढ़ेंगी डायरेक्ट फ्लाइट्स

केंद्रीय मंत्री ने भारत और मिस्र के बीच एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा एयर कनेक्टिविटी की जरूरत है... जैसे ही हमें और विमान मिलेंगे, हमें यकीन है कि हम मिस्र के लिए और अधिक फ्लाइट्स शुरू कर पाएंगे। पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से मिस्र की यात्रा पर हैं। वर्तमान में भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती है।

तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट,इंडिगो और एअर इंडिया के बड़े ऑर्डर

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते सिविल एविएशन बाजारों में से एक है। देश में हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए घरेलू विमानन कंपनियों जैसे इंडिगो और एअर इंडिया ने एयरबस और बोइंग को बड़े पैमाने पर विमानों के ऑर्डर दिए हैं। नए विमानों की डिलीवरी मिलने से न केवल घरेलू रूट्स पर भीड़ कम होगी, बल्कि इंटरनेशनल कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। कोविड-19 के बाद दुनिया भर में एयरक्राफ्ट पार्ट्स और इंजन की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिससे बोइंग और एयरबस जैसी कंपनियों के पास ऑर्डर्स का बड़ा बैकलॉग जमा हो गया है और डिलीवरी में देरी हो रही है। भारत में मिडिल क्लास की बढ़ती आय और नए एयरपोर्ट्स खुलने से हवाई यात्रा करने वालों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जिसके मुकाबले एयरलाइंस के पास विमान कम पड़ रहे हैं।

माफी दिल से मांगें, दिमाग से नहीं

- सुप्रीम कोर्ट की संजय राउत को नसीहत
- कहा- आप अनुभवी नेता हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत को नसीहत दी है। आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि माफी दिल से आनी चाहिए, दिमाग से नहीं। कोर्ट ने राउत को अनुभवी नेता और सांसद बताते हुए सार्वजनिक बयान देते समय संयम बरतने की सलाह दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबी) की ओर से पत्रकार निखिल वागले और संजय राउत के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका से जुड़ा है। दोनों पर न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस कुमार ने कहा कि इतने गंभीर मामले में माफी दिल से आनी चाहिए, न कि दिमाग से। उन्होंने राउत से कहा कि वह एक अनुभवी राजनेता और सांसद हैं।



16 अक्टूबर को जारी हुआ था कारण बताओ नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने 16 अक्टूबर को संजय राउत और पत्रकार निखिल वागले को आपराधिक अवमानना की कार्यवाही के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया था। यह मामला सीजेआई और न्यायपालिका के खिलाफ उनकी कथित टिप्पणियों से जुड़ा है। इससे पहले अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने अदालत की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 15(1)(ए) के तहत आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के लिए सहमति दी थी। एससीबी ने 15 अक्टूबर को याचिका दाखिल की थी और उसी दिन अटॉर्नी जनरल से मंजूरी मिल गई थी। यह विवाद पहले ही शुरू हुआ।

संक्षिप्त समाचार

मथुरा में दो दिन चला भाजपा का महामंथन

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के फरह के परखम में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को संपन्न हो गई। बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिन तक व्यापक मंथन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत पार्टी के चिंतक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 55 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए।



बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय और स्थानीय नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही सरकार और संगठन के बीच तालमेल, जनसंपर्क अभियान तथा जनता के बीच पार्टी की पकड़ मजबूत करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। चुनाव से पहले भाजपा की ओर से क्षेत्रीय अध्यक्षों की तैनाती की गई थी। लेकिन अब आलाकमान की एक नई टीम की भी तैनाती की जाएगी। जिसकी विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण में अहम भूमिका होगी। वह सबकी मॉनिटरिंग करने के साथ अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय नेतृत्व को देगी। दो दिन तक चले मंथन में सामने आए सुझावों और रणनीतिक बिंदुओं को लेकर पार्टी नेतृत्व ने आगे की कार्ययोजना पर विचार किया।

जनता के लिए खुलेगा केजरीवाल सरकार का सीएम आवास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सीएम कार्यकाल के दौरान मिला सरकारी आवास जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले हफ्ते तक लोगों के लिए विजिट बुक करने की टिकटिंग सिस्टम शुरू होगा। पहले मीडिया के लिए



टूर होंगे। इसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर आवास का अंदरूनी हिस्सा देख सकेंगे। अरविंद केजरीवाल साल 2015 से 2024 तक, पूरे 9 साल इस बंगले में परिवार समेत रहे थे। भाजपा ने इसके रेनोवेशन के खर्च पर सवाल खड़ा किया था और बंगले को शीशमहल नाम दिया था।

केजरीवाल के बंगले के रेनोवेशन पर 342 फीसदी ज्यादा खर्च- दिल्ली विधानसभा में पिछले साल पेश ड्राफ्ट रिपोर्ट के मुताबिक, केजरीवाल के बंगले के रेनोवेशन पर 33.66 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। यह खर्च शुरुआती अनुमानित लागत 7.91 करोड़ रुपए से करीब 342 फीसदी ज्यादा था। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें से करीब 18.88 करोड़ रुपए महंगे इंटीरियर, सजावटी और एंटीक सामान पर खर्च हुए।

उत्तराखंड में 2 सड़क हादसे,13 की मौत

- इनमें एमपी-यूपी के 2-2 लोग शामिल,नदी में गिरी बस
- दूसरी घटना में खाई में गिरी बोलेरो,31 फीसदी हादसे बढ़े

ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह दो सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हुए हैं। पहला हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर गूलर के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस करीब 100 मीटर नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 साल की बच्ची समेत 25 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले एम्स के डॉक्टरों ने 10 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में एसपी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने 9 मौतों की पुष्टि की। दूसरा हादसा रुद्रप्रयाग की क्यूंजा घाटी में हुआ। यहां पोखरी से शादी समारोह से लौट रहे बारातियों की बोलेरो गाड़ी खाई में गिर गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 घायल हैं। इनमें से 5 की हालत गंभीर है। उन्हें श्रीनगर बेस अस्पताल रेफर किया गया है।





3 शव गाड़ी से नीचे गिरे, बाकी बस में पड़े थे

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बस सीधे नीचे नहीं गिरी, बल्कि खाई में गिरते समय रास्ते में कई पेड़ों और चट्टानों से टकराई। लगातार टक्करों से बस का ढांचा बुरी तरह पिचक गया। यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। तीन शव बस से बाहर जा गिरे, जबकि पांच शव अंदर ही फंसे रहे। दुर्घटना के बाद खाई में बस के आसपास यात्रियों का सामान और मलबा बिखरा हुआ था। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर सर्विस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बस इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी कि उसके अंदर फंसे यात्रियों को निकालना आसान नहीं था। रेस्क्यू टीम ने उपकरणों की मदद से बस की बॉडी काटकर रास्ता बनाया और घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया।

पेड़-पत्थरों से टकराती हुई नीचे जा गिरी बस

हादसे में घायल यात्रियों ने बताया कि बस की रफ्तार बहुत तेज थी। पुल से पहले अचानक से क्या हुआ समझ नहीं आया। बड़े-बड़े पेड़ों और पत्थरों से टकराते हुए बस खाई में गिरती जा रही थी। बस के अंदर सभी यात्री एक-दूसरे के ऊपर गिर रहे थे। चारों ओर चीख मची हुई थी। कुछ ही सेकेंड में तेज आवाज हुई हमारी बस जमीन पर गिरी। बस पूरी टूट चुकी थी। कई लोग घायल थे। कुछ लोग मर चुके थे। लोग बस से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। काफी देर बाद हमें मदद मिलनी शुरू हुई। ड्राइवर की सीट के पीछे बैठे घायल ने बताया कि मुझे श्रीनगर जाना था। मैं ड्राइवर की पीछे वाली सीट पर बैठा था। एकदम से नींद लग गई थी। 5 से 5.15 के बीच अचानक से ये सब हो गया, कुछ पता ही नहीं चला। हादसे से पहले बस में सब कुछ सामान्य था। बस पूरी तरह से यात्रियों से भरी थी। मेरी नींद तब खुली जब बस में चीख पुकार मच गई। हम पेड़ और पत्थरों से टकराते हुए नीचे गिरने लगे।

- अमेरिकी एफ-35 से भी एडवांस होगा,पहली उड़ान 2030 तक संभव

छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी चल रही है। इसकी पहली उड़ान 2030 तक संभव है। डिफेंस कंपनी रेफी एमफाइबर इसे तैयार कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष विकास मिश्रा ने सोमवार को नेशनल सिक्योरिटी समिट में वायुसेना के अधिकारियों की मौजूदगी में भारत को छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान देने का ऐलान किया।

- **5वीं पीढ़ी के फाइटर के लिए जल्द चुना जाएगा प्राइवेट पार्टनर-** रक्षा मंत्रालय पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के विकास के लिए 3 औद्योगिक गठबंधनों में से एक का चयन इसी महीने करेगा। इनमें एलएंडटी, भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के गठबंधन शामिल हैं।

12 देशों के इंजीनियर मिलकर काम कर रहे

इस फाइटर जेट को बनाते समय वायुसेना की जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। कंपनी के अनुसार उसके साथ 12 देशों के विमान इंजीनियर जुड़े हैं। दावा है कि उसने दुनिया में सर्वाधिक पेटेंट दायर किए हैं। एयरक्राफ्ट डिजाइन और निर्माण के लिए 10 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया है। ड्रोन में विशेषज्ञता के साथ कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में 7 लाख वर्ग फुट में अपनी फेसिलिटी भी तैयार की है। हिंद महासागर में चीनी पनडुब्बियों की मौजूदगी और पाकिस्तान की बढ़ती क्षमता के बीच भारत समुद्री निगरानी मजबूत कर रहा है। डीआरडीओ ने 'वरुण ध्वनि-01' बनाया है।

मनीला और क्वाड का पुराना और बेहद खास रिश्ता रहा है

- पीएम मोदी बोले-यहीं से शुरू हुई थी चारों देशों की साझेदारी
- अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-प्रधानमंत्री मोदी बेहद मजबूत इंसान

मनीला (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनीला में क्वाड देशों के नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मनीला और क्वाड का पुराना और खास रिश्ता रहा है। उन्होंने बताया कि 2007 में चारों देशों के अधिकारियों की पहली बैठक इसी शहर में हुई थी। इसके 10 साल बाद 2017 में यहीं से चारों देशों ने एक बार फिर बातचीत शुरू की थी। पीएम मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक शहर में दोबारा क्वाड की बैठक होना एक अहम पड़ाव है। उन्होंने बताया कि जनवरी से अब तक चारों देशों के विदेश मंत्री पांच बार मिल चुके हैं।



ट्रम्प बोले- ईरान पागल देश उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे- ट्रम्प ने ईरान की ओर से अमेरिका पर हमले से जुड़े सवाल पर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान की ओर से ऐसा कोई खतरा है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ट्रम्प ने कहा, अगर ऐसा कोई खतरा है, तो उन्हें ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी, जैसी किसी देश ने आज तक नहीं चुकाई होगी। मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं है, लेकिन हम इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं।

यूरिया से ज्यादा असरदार होगा ग्रीन अमोनिया!

- देशभर में 10 हजार हेक्टेयर में चल रहा परीक्षण
- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि देशभर में 10,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ग्रीन अमोनिया के परीक्षण किए जा रहे हैं। इनमें पंजाब का 1,800 हेक्टेयर क्षेत्र भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह यूरिया से कहीं अधिक प्रभावी है। वहीं भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 4.36 प्रतिशत बढ़ा है।



उत्पादन बढ़ने का अनुमान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कहा कि बागवानी फसलों का रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर करीब 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने के बावजूद उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। ये आंकड़े राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य सरकारी एजेंसियों से मिले आंकड़ों पर आधारित हैं। चौहान ने उत्पादन में वृद्धि का श्रेय किसानों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक फसलों से हटकर फल, सब्जियां, फूल, मसाले, बागान फसलों और औषधीय पौधों की खेती की ओर बढ़ रहे हैं।

किसानों के लिए खुल रहे आय के नए स्रोत

कृषि मंत्री ने कहा, व्यावसायिक और नकदी फसलों की ओर यह बढ़ता रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन का यह रिकॉर्ड न केवल देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि बागवानी करने वाले किसानों की आय भी सीधे तौर पर बढ़ाएगा। फल उत्पादन 2025-26 में 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 11.76 करोड़ टन था। इसमें 54.2 लाख टन की वृद्धि होगी। केले, आम, पपीता, सेब, अनार और कटहल के उत्पादन में बढ़ोतरी से इसमें मदद मिलेगी।

बिहार में जल्द शुरू होंगी पांच और नई चीनी मिलें

- सीएम सम्राट चौधरी ने गन्ना विकास रथ को दिखाई हरी झंडी

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद कक्ष के सामने बने मंच से गन्ना उद्योग विभाग की ओर से आयोजित 'गन्ना विकास रथ-2026' का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी जिलों के लिए गन्ना विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में गन्ना किसानों की समृद्धि, गन्ना उत्पादन में वृद्धि और चीनी उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि राज्य में 10 चीनी मिलें कार्यरत हो चुकी हैं, जबकि पांच और चीनी मिलें जल्द शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार' के संकल्प के साथ शुरू किया गया यह अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



संक्षिप्त समाचार

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, हाजीपुर-जंदाहा मेन रोड पर एक्सीडेंट, दूसरा युवक घायल

हाजीपुर। हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग पर औद्योगिक थाना क्षेत्र के राम भरोसे हिंदू होटल के पास ट्रक की ठोकर से बाइक सवार विजय कुमार पासवान (35) की मौत हो गई। उनके साथ बाइक पर सवार चुनचुन कुमार (30) घायल हो गए। उनका इलाज चल रहा है। विजय की पहचान औद्योगिक क्षेत्र थाना के सुल्तानपुर गांव निवासी स्वर्गीय राम बाबू भगत के बेटे के रूप में हुई है। घायल चुनचुन, रामसूरत पासवान के बेटे हैं। विजय हाजीपुर जंक्शन स्थित रॉयल आवासीय के सामने एक होटल में काम करते थे। सूचना मिलने पर औद्योगिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए भेजा। पुलिस ने विजय का शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजा। परिजनों के मुताबिक, विजय दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

छठ के बाद लौटने वालों के लिए रेलवे का इंतजाम, दिल्ली, मुंबई समेत प्रमुख शहरों के लिए 1 दिसंबर तक होगा परिचालन

हाजीपुर। हाजीपुर में छठ महापर्व के बाद बिहार से दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने कई स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। ये ट्रेनें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़, अमृतसर और सूरत समेत प्रमुख शहरों के लिए चलेंगी। कुछ ट्रेनों का परिचालन रोजाना, जबकि कुछ का साप्ताहिक या निर्धारित तारीखों पर होगा। रेलवे की यह व्यवस्था 1 दिसंबर तक जारी रहेगी। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने और उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए अलग-अलग रूटों पर विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। बरौनी से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02563 और दरभंगा से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02569 क्लोन स्पेशल 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 03293 का परिचालन 21 नवंबर तक प्रतिदिन होगा। पाटलिपुत्र से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 04095 और सुपौल से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 04071 स्पेशल ट्रेन 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से नई दिल्ली के लिए वंदे भारत स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। रेलवे ने मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इन ट्रेनों से छठ के बाद कामकाज और अन्य जरूरतों के लिए दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। हाजीपुर-बरौनी-खगड़िया-कटिहार रेलखंड से कानपुर-गुवाहाटी, गुवाहाटी-कानपुर, नारंगी-गोरखपुर, डिब्रूगढ़-गोरखपुर और पूर्णिया-फिरोजपुर स्पेशल ट्रेनें गुजरेंगी। हाजीपुर-बरौनी-किऊल-झाझा रेलखंड पर कोलकाता, गोरखपुर और आसनसोल समेत कई शहरों के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा रक्सौल-नरकटियागंज, पटना-इसलामपुर, राघोपुर-देवघर और बक्सर-डीडीयू रूट पर भी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले संबंधित ट्रेन की तारीख, समय और ठहराव की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। इसके लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा का सहारा लिया जा सकता है।

पीएम मोदी का बिहार दौरा, गंगा में भी पुलिस गश्ती, सड़कों से हटेगा अतिक्रमण

पटना। बिहार दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को आ रहे हैं। दूसरी तरफ प्रकाश पर्व भी होना है। दोनों कार्यक्रमों को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा की तैयारियां शुरू कर दी है। मंगलवार को पुलिस महानिरीक्षक (IG) केंद्रीय क्षेत्र जितेंद्र राणा ने पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। पीएम की सुरक्षा के लिए गंगा में भी पुलिस गश्त करेगी। ड्यूटी पर तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों का सत्यापन कर पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। सड़कों और बाजारों से अतिक्रमण हटाया जाएगा। बैठक में पटना के SSP, सिटी SP मध्य-पूर्वी, ग्रामीण SP, प्रशासन SP, विधि-व्यवस्था और सुरक्षा SP समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। IG जितेंद्र राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री के दौरे और प्रकाश पर्व के दौरान सुरक्षा और विधि-व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।



तेजप्रताप ने दिखाया लालू यादव का नया घर, किचन गार्डन का सैर कराया

पटना। राबड़ी आवास खाली करने के बाद लालू यादव और राबड़ी देवी कौटिल्य नगर स्थित अपने नए घर में शिफ्ट हो गए हैं। लालू यादव का नया घर कैसा है। वहां राबड़ी देवी किन फलों और सब्जियों की खेती करती हैं, ये सब तेजप्रताप यादव ने अपने एक वीडियो के जरिए दिखाया है। तेजप्रताप का नया ब्लॉग आया है। इसमें वो लालू यादव के नए घर में अपनी मां राबड़ी देवी के हाथों से तैयार किए गए किचन गार्डन की सैर कराते दिख रहे हैं। यहां राबड़ी देवी ने फलों से लेकर कई तरह की सब्जियां की खेती कर रही हैं। वीडियो की शुरूआत में तेजप्रताप यादव लालू आवास में एंट्री करते दिखते हैं। उसके बाद बताते हैं कि यहां सफाई हो रही है। इसके बाद तेजप्रताप वीडियो में बताने की कोशिश करते हैं कि लालू-राबड़ी के नए आवास में किन-किन चीजों की खेती होती है। वो घर के बगीचे की तरफ बढ़ते हैं। तेजप्रताप बताते हैं कि बगीचे में पेड़-पौधे लगाने से लेकर सब्जियां उगाने तक का काम उनकी मां खुद करती हैं। तेज प्रताप अपनी मां से पूछते हैं कि उन्होंने बगीचे में क्या-क्या लगाया है। इस पर राबड़ी देवी गार्डन की तरफ बढ़ती हैं और बताती हैं कि यहां सरसों, चना, फूलगोभी, आलू, टमाटर, बैंगन और कद्दू समेत कई सब्जियां उगाई गई हैं। इसके अलावा पालक, भिंडी और दूसरी हरी सब्जियां की भी खेती की गई है। तेज प्रताप अपने वीडियो में घर के पालतू कुत्ते थॉर से भी मिलवाते हैं। वह बताते हैं कि थॉर घर और उनकी मां की रखवाली करता है।

दो दिनों में 1-3 डिग्री तक गिरेगा पारा

पटना। बिहार में मौसम अब करवट लेने वाला है। जारी पटना मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले दो दिनों में राज्य के अनेक स्थानों पर न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री से. तक की गिरावट होगी। उसके बाद 20-21 नवंबर को पटना समेत 13 जिलों में एक-दो स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। 22 नवंबर को सुपौल, अररिया समेत 12 जिलों में एक-दो स्थानों पर बारिश होने के आसार हैं। मौसम केंद्र के वैज्ञानिक शंकर आनंद ने बताया कि अगले 4 से 5 दिनों तक अधिकतम तापमान स्थिर रहेगा। 72 घंटों तक सुबह में राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 17 नवंबर की शाम तक प्रचंड और 20 नवंबर की दोपहर तक अति प्रचंड चक्रवाती तूफान के आंध्रप्रदेश को पार करने की संभावना है। बिहार में 16 से 19 नवंबर तक मौसम शुष्क रहेगा। 20-21 नवंबर को पटना, गया, नालंदा, नवादा, जहानाबाद, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय और भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया के एक-दो स्थानों पर बारिश हो सकती है। 22 नवंबर को उत्तर पूर्व और दक्षिण पूर्व बिहार के 12 जिलों में भी छिटपुट वर्षा के आसार हैं। पटना में 200 मीटर विजिबिलिटी राजधानी पटना में सुबह के समय कोहरे का असर दिखा। राज्य में सबसे कम 200 मीटर विजिबिलिटी यहां दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान 28.9 डिग्री और न्यूनतम 19.9 डिग्री से. रिकॉर्ड किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 91 प्रतिशत रही। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, नवंबर के दूसरे पखवाड़े में सुबह और रात के तापमान में अंतर बढ़ने से इस तरह की धुंध और कोहरे की स्थिति बनती है। रात में धरती की सतह ठंडी होने और वातावरण में नमी रहने से सुबह के समय जलवाष्प की छोटी बूंदें धुंध के रूप में दिखाई देती हैं। जानकारों का कहना है कि फिलहाल इसे सर्दी की शुरुआत के तौर पर देखा जा सकता है। दिन में धूप निकलने के कारण तापमान सामान्य बना हुआ है, लेकिन जैसे-जैसे न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी, सुबह और रात में ठंड का असर बढ़ेगा।

बिहार में घर बनाने के नए नियम, 10 मीटर ऊंचे मकान के लिए नक्शे की जरूरत नहीं

एजेंसी, पटना

बिहार में अपना घर बनाने की तैयारी कर रहे हैं तो अब निर्माण से पहले नए नियम जान लीजिए। राज्य सरकार ने मकान बनाने के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव किया है। अब घर के अंदर कमरा कितना बड़ा होगा, किचन की चौड़ाई कितनी रखनी होगी और बाथरूम-टॉयलेट के लिए कितनी जगह छोड़नी पड़ेगी, यह सब तय कर दिया गया है। बेड़रूम 8 फीट से छोटा नहीं बना सकते हैं। यहां तक कि दरवाजे के रास्ते के लिए भी मानक निर्धारित किए गए हैं। भवन निर्माण उपविधि, 2026 को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद नगर विकास-आवास विभाग ने इसे अधिसूचित कर दिया है। नए प्रावधान शहरी क्षेत्रों में होने वाले नए निर्माण के साथ पुराने भवनों में किए जाने वाले बदलाव पर भी लागू होंगे। सरकार ने एक तरफ निर्माण के मानकों को स्पष्ट किया है, तो दूसरी तरफ नक्शा पास कराने की प्रक्रिया को भी काफी आसान बनाया है।

कमरे की चौड़ाई 2.4 मीटर होनी चाहिएः नए नियमों में घर के कमरे के लिए न्यूनतम 9 वर्ग मीटर जगह जरूरी की गई

▪ बेडरूम, किचन-टॉयलेट का साइज तय, पार्किंग जरूरी

है। इसकी चौड़ाई कम से कम 2.4 मीटर यानी लगभग 8 फीट होनी चाहिए। कमरे की ऊंचाई भी 2.75 मीटर (करीब 9 फीट) से कम नहीं रखी जा सकेगी। यानी अब निर्धारित माप से छोटा कमरा बनाने की अनुमति नहीं होगी।

किचन से लेकर स्टोर रूम तक का हिसाब तयः घर की रसोई बनाने के लिए कम से कम 4.5 वर्ग मीटर जगह रखनी होगी। इसकी चौड़ाई 1.8 मीटर यानी करीब 5.9 फीट होनी जरूरी है। वहीं, सामान रखने के लिए अलग स्टोर रूम बनाने पर उसका न्यूनतम क्षेत्रफल 3 वर्ग मीटर (32.3 वर्गफीट) होना चाहिए।

बाथरूम और टॉयलेट के लिए भी जगह तयः नए नियमों के तहत बाथरूम बनाने के लिए कम से कम 1.8 वर्ग मीटर जगह चाहिए। वहीं, टॉयलेट का न्यूनतम आकार 1.2 वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है। अगर बाथरूम और टॉयलेट एक साथ बनवाना चाहते हैं तो कम से कम 2.8 वर्ग



मीटर जगह रखनी होगी।

दरवाजे और छत की दीवार भी तय मानक के मुताबिक बनानी होगीः घर के दरवाजे के रास्ते की चौड़ाई कम से कम 0.9 मीटर यानी 3 फीट होनी चाहिए। चबूतरे की ऊंचाई 0.45 से 0.9 मीटर के बीच रखी जाएगी। वहीं, छत की दीवार 1.2 से 1.5 मीटर ऊंची होनी चाहिए।

10 मीटर तक के मकान के लिए नक्शा पास कराने की जरूरत नहींः नए नियमों में सबसे बड़ी राहत छोटे मकान बनाने वालों को दी गई है। अब 10 मीटर तक ऊंचाई वाले भवन के निर्माण के लिए स्थानीय निकाय या प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत कराने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। हालांकि, निर्माण के दौरान निर्धारित तकनीकी और भवन मानकों का पालन करना होगा। इससे अधिक ऊंचाई वाले भवनों के लिए नक्शा स्वीकृत कराना जरूरी रहेगा, लेकिन इसके लिए भी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदक को वास्तुविद से नक्शा तैयार कराकर सरकारी पोर्टल पर अपलोड करना होगा। 10 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले भवनों के नक्शे पर आवेदन के 30 दिनों में फैसला करना होगा। अगर इस अवधि में संबंधित विभाग या प्राधिकरण की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया जाता है, तो नक्शे को स्वीकृत माना जाएगा। इससे अनुमति के लिए लंबे समय तक इंतजार और कार्यालयों के चक्कर लगाने की समस्या कम होगी।

लापरवाही पर सील हो सकता है भवन

फायर एनओसी की बाध्यता खत्म होने का मतलब अग्नि सुरक्षा से छूट मिलना नहीं है। विभागीय अग्निशमन अधिकारी भवनों की जांच कर करेंगे। जांच में गड़बड़ी मिलने पर भवन मालिक को सुधार करना होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर भवन सील करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

फायर एनओसी के लिए अलग आवेदन नहीं करना होगा

सरकार ने भवन निर्माण में अग्नि सुरक्षा से जुड़ी प्रक्रिया को भी आसान किया है। अब आवासीय और वाणिज्यिक भवनों के लिए नक्शा स्वीकृति के बाद अलग से फायर एनओसी लेने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, भवन में आग से बचाव के सभी जरूरी इंतजाम करना अनिवार्य रहेगा। इसकी जिम्मेदारी नक्शा तैयार करने वाले वास्तुविद की भी होगी। उन्हें भवन में अग्निशामक यंत्र, इमरजेंसी निकास, फायर अलार्म, स्प्रिंकलर, होज और पर्याप्त पानी की व्यवस्था करनी होगी।

रुई के गोदाम में लगी आग, लाखों का सामान और बाइक जलकर राख

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के अगमकुआं थाना क्षेत्र में जनता फ्लैट के पास मंगलवार सुबह रुई के एक गोदाम में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने गोदाम में रखी रुई और अन्य सामान को अपनी चपेट में ले लिया। वहां खड़ी एक बाइक भी जल गई। कारोबारी राहुल कुमार ने हादसे में लाखों रुपए के नुकसान की बात कही है।

चिंगारी से भड़की आग, मची अफरा-तफरीः जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह गोदाम से चिंगारी निकलती दिखाई दी। कुछ ही देर में आग फैलने लगी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना कारोबारी राहुल कुमार को दी। वह मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय



लोगों ने भी गोदाम से सामान बचाने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक गोदाम में रखी रुई, अन्य सामान और एक मोटरसाइकिल जल चुकी थी।

पुलिस को नहीं मिली थी सूचनाः अगमकुआं थाना प्रभारी राजेश कुमार झा ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल इस संबंध में थाने में किसी ने आवेदन नहीं दिया है।

मूर्ति विसर्जन जुलूस में कट्टा लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार, पटना के कटरा बाजार में पुलिस ने पकड़ा

एजेंसी, पटना

पटना के दीदारगंज थाना क्षेत्र के कटरा बाजार में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान पुलिस ने हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, युवक कमर में देसी कट्टा लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और एक कारतूस बरामद किया गया। मंगलवार को फतुहा एसडीपीओ कार्यालय में एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी।

गुप्त सूचना पर गठित की गई छापेमारी टीमः एसडीपीओ अवधेश कुमार ने बताया कि सोमवार रात दीदारगंज थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि कटरा बाजार का रहने वाला एक व्यक्ति भूरे रंग की शर्ट और काले रंग की पैंट पहनकर कमर में देसी कट्टा लेकर घूम रहा है। आशंका थी कि वह किसी आपराधिक वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना के सत्यापन और



कार्रवाई के लिए पटना ग्रामीण एसपी के निर्देश पर फतुहा एसडीपीओ-1 के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया।

पुलिस को देखकर भागने लगा युवकः पुलिस टीम देर रात कटरा बाजार में प्रतिमा विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बताए गए हुलिए का एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान मालसलामी थाना क्षेत्र के जन्मपुर

▪ तलाशी में एक कट्टा और गोलियां मिली

गौरिया स्थान निवासी नरेश महतो के 25 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार के रूप में बताई।

कमर से कट्टा और जेब से कारतूस बरामदः पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान आकाश की कमर में खोंसा हुआ एक लोहे का देसी कट्टा मिला। उसकी पैंट की जेब से एक कारतूस भी बरामद किया गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में दीदारगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपी का आपराधिक इतिहास भी खंगाल रही है।

कार्रवाई में एसआई मो. इम्तियाज इकबाल, एसआई नारायण उपाध्याय, एसआई सुजीत कुमार सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

तेजस्वी बोले- ललन सिंह को जेडीयू में कोई पूछता नहीं

विजय चौधरी ने कहा- निशांत डिप्टी सीएम बनते हैं तो आश्चर्य वाली बात नहीं

एजेंसी, पटना

पटना में कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल का नाम पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखने को लेकर को दिए जाने पर बिहार की सियासत गरमा गई है। विजय चौधरी ने कहा कि इस पुल में नीतीश कुमार के अलावा किसी का कोई योगदान नहीं है। डिप्टी सीएम विजय चौधरी के इस बयान पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। तेजस्वी ने कहा, 'इनसे पूछिएगा की पुल का काम शुरू कब हुआ था, किसकी सरकार थी, किसके साथ गठबंधन था। वहीं तेजस्वी ने ललन सिंह को लेकर कहा कि उनको जदयू में पूछता कौन है। वो मुंह फुलाकर घूमते रहते हैं।

पुल को बनाने में केंद्र सरकार का 1 का योगदान नहीं- तेजस्वी यादवः तेजस्वी यादव ने कह, इस पुल को बनाने में केंद्र सरकार का 1 का योगदान नहीं है। सब हमारे उसे समय की सरकार ने किया था।'



नीतीश सेतु नाम रखे जाने पर उन्होंने कहा, 'जब कोई व्यक्ति जीवित नहीं होता है। तो वैसे में उसके नाम पर किसी चीज का नामकरण होता है। लेकिन अब उनकी सरकार है जो मन चाहे, वह कर रहे हैं।' वहीं, तेज प्रताप यादव ने कहा कि राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल का नाम 'नीतीश सेतु' नहीं, बल्कि 'लालू यादव सेतु' होना चाहिए। बिहार के सारे नेता लालू यादव की फैक्ट्री से निकले हैं।

तेजस्वी बोले- जिसे हमने MLC बनाया वो सीएम के दबाव में हैंः तेजस्वी यादव ने कहा कि जो निर्दलीय नव निर्वाचित MLC चुनाव जीत कर आए थे उन्होंने बीजेपी ज्वाइन किया। नियमावली कहता है कोई भी निर्दलीय एमएलसी अगर चुनाव जीता है और वह पार्टी जॉइन करता है तो उसकी सदस्यता रद्द होनी चाहिए। इस मामले को लेकर आज हम विधान परिषद पहुंचे थे। इनको हमने एमएलसी बनाया था आज सम्राट चौधरी के दबाव में हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि गयाजी में विधानसभा अध्यक्ष भाजपा मंत्री के कार्यक्रम में शामिल होते हैं। विधानसभा अध्यक्ष रहते हुए अगर आप पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होते हैं तो आप के निष्पक्षता होने पर भी सवाल उठेगा।

विजय चौधरी बोले- नीतीश कुमार की कोशिश को सम्मान मिलाः विजय चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखा है। जिन इलाकों को यह पुल जोड़ रहा है, वहां के लोगों में इसे लेकर काफी उत्साह है। जब नीतीश जी मुख्यमंत्री थे, तब पुल निर्माण में थोड़ी भी देरी होने पर नाराज हो जाते थे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार के विकास के लिए जो काम शुरू किए, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आगे बढ़ा रहे हैं।

पुल निर्माण का श्रेय नीतीश कुमार को दियाः उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी ने कहा, 'कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल के निर्माण में नीतीश कुमार के अलावा किसी और का योगदान नहीं है। बिहार में लगातार पुलों की श्रृंखला बढ़ रही है। नीतीश कुमार की राजनीतिक हैसियत को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहचाना है।

सभा में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपीलः विजय चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री जिस स्थान पर आ रहे हैं, वहां के लोगों को कच्ची दरगाह-बिदुपुर सेतु से काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने बिहार के लोगों से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

एंबुलेंस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, बच्चे की मौत पर हंगामा

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली में मंगलवार की दोपहर एक एंबुलेंस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक बच्चे (7) की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान आर्यन राज (7) के रूप में हुई है। घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के इमायतपुर गांव के पास की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने NH-57 जाम कर दिया। इसकी वजह से मुजफ्फरपुर-हाजीपुर सड़क पर पूरी तरह से बंद है। करीब 5 घंटे से लोग जाम में फंसे हैं। बताया जा रहा है कि मृतक अपने मामा के साथ बाइक से पटना आ रहा था। इसी दौरान एंबुलेंस ने पीछे से टक्कर मार दी। मृतक के मामा की हालत गंभीर है, सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जामः दरअसल, दोपहर 2 बजे बच्चा अपने मामा की बाइक पर बैठकर पटना आ रहा था। इसी दौरान NH के पास पीछे से आ रही एंबुलेंस ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्चा पीछे



वाली सीट से 10 फीट ऊपर उछलकर जमीन पर गिर गया। बच्चे के सिर से ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मामा गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने मुजफ्फरपुर-हाजीपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। उनकी मांग है कि पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए। करीब 5 घंटे से सड़क जाम रहने के कारण दोनों तरफ करीब 8KM तक गाड़ियों की लंबी लाइन लगी है। वहीं, शाम होते ही लोगों ने आगजनी शुरू कर दी है। वे किसी अधिकारी की बात मानने को तैयार नहीं हैं।

बिहार विधान परिषद को मिलेंगे 8 नए सदस्य, आज ले सकते हैं शपथ

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद के 8 नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण की तैयारी तेज हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से सभी आठ सदस्यों के निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद राज्यपाल शपथ ग्रहण की तारीख तय करने के लिए विधान परिषद के सभापति को अधिकृत करेंगे। संभावना है कि 18 नवंबर को सभी नवनिर्वाचित सदस्य पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से हुए चुनाव में इन आठ सदस्यों ने जीत दर्ज की है। इनके शपथ लेने के साथ ही विधान परिषद में नए कार्यकाल की शुरुआत हो जाएगी।

16 नवंबर को खत्म हुआ पुराने सदस्यों का कार्यकालः विधान परिषद की आठ सीटों के



लिए हाल ही में द्विवार्षिक चुनाव कराए गए थे। इनमें चार सीटें स्नातक और चार सीटें शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की थीं। इन सीटों पर पहले से मौजूद सदस्यों का कार्यकाल 16 नवंबर को समाप्त हो चुका है। अब नए सदस्यों के शपथ लेने के बाद सदन की कार्यवाही नए सदस्यों के साथ आगे बढ़ेगी। इस बार के चुनाव में विधान परिषद की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कई पुराने और अनुभवी नेताओं को हार का सामना करना पड़ा, जबकि आठ नए सदस्य सदन में पहुंचे हैं।

दलित चुनाव में ही क्यों याद आते हैंः चिराग पासवान, ओवैसी-चंद्रशेखर की एकजुटता और अखिलेश यादव के सम्मेलन पर दी प्रतिक्रिया

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश में दलित वोटरों को साधने की कोशिशों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की एकजुटता के साथ आगरा में अखिलेश यादव के दलित सम्मेलन का जिक्र किया। चिराग ने कहा कि सभी लोग दलितों की बात कर रहे हैं, लेकिन चुनाव के समय ही उन्हें याद करना सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आज 'दमदार दलित' की बात कर रहे हैं। उन्हें बताना चाहिए कि दलितों को सशक्त बनाने के लिए उन्होंने क्या किया।

पिता के योगदान को किया यादः चिराग ने कहा कि दलित समाज के उत्थान में उनके नेता



और पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान के योगदान को भी याद किया जाना चाहिए। चिराग के मुताबिक, सिर्फ चुनाव के समय दलितों के बीच जाकर उनकी बात करने से समाज का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि दलित समाज उन नेताओं और उनके व्यवहार को नहीं भूला है, जिन्होंने उन्हें सशक्त बनाने का काम किया।

पिछले चुनावों में उन्हें जनता ने नहीं किया स्वीकारः ओवैसी और चंद्रशेखर की एकजुटता पर चिराग ने कहा कि पिछले चुनावों में भी दोनों ने अलग-अलग प्रयास किए थे, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि जनता डबल इंजन सरकार के कामकाज और विकास का अनुभव कर चुकी है। चिराग ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक बार फिर एनडीए की मजबूत और स्थिर सरकार बनेगी। सपा-कांग्रेस के साथ आने पर उन्होंने कहा कि इससे जनता को पुराने गुंडाराज की याद आती है। तीसरे मोर्चे के गठन के प्रयासों के बीच चिराग ने कहा कि एनडीए अपनी मजबूती बनाए हुए है।

जनता से अलग-अलग मुद्दों पर चर्चाः उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में उनके लगातार कार्यक्रम हो रहे हैं और दौरे के दौरान जनता से अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि दलित समाज से जुड़े मुद्दों और नेताओं के पुराने कामों का असर चुनाव में दिखेगा।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की कार्रवाई, अपहरण व मद्य निषेध कांड के दो आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ पताही। थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में अपहरण कांड संख्या 13/20 तथा बिहार मद्य निषेध से संबंधित कांड संख्या 308/26 के अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों से आवश्यक पूछताछ की गई। इसके उपरांत उन्हें न्यायिक हिरासत में मोतिहारी भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस ने अपहरण कांड संख्या 13/20 के अभियुक्त सूरज कुमार, पिता रामाश्रय महतो, निवासी ग्राम रतनशायर को गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरी कार्रवाई में बिहार मद्य निषेध से संबंधित कांड संख्या 308/26 के अभियुक्त संदीप कुमार, पिता महादेव पासवान, निवासी ग्राम रुपनी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उक्त दोनों मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संबंधित अभियुक्तों को अपनी हिरासत में लिया। इसके बाद आवश्यक पूछताछ एवं कानूनी प्रक्रिया पूरी कर दोनों को न्यायिक हिरासत में मोतिहारी भेज दिया गया। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया कि दोनों अलग-अलग कांडों के अभियुक्त हैं। पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।



महिला से रिश्वत लेने और रात में मिलने का दबाव बनाने का आरोपः दारोगा निलंबित

जमीन विवाद में कार्रवाई के नाम पर दो किस्तों में चार हजार रुपये लेने का आरोप; वायरल ऑडियो के आधार पर एसपी ने कराई जांच, प्रथमदृष्टया आरोप सही पाए जाने पर की कार्रवाई

बीएनएम @ मृत्युंजय पाण्डेय, सुगौली। जमीन विवाद में कार्रवाई करने के नाम पर एक महिला से कथित तौर पर रिश्वत लेने और रात में मिलने का दबाव बनाने के गंभीर आरोप में सुगौली थाने में पदस्थापित दारोगा शैलेश कुमार को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। महिला और दारोगा के बीच हुई कथित बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने जांच के आदेश दिए। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जांच में आरोप प्रथमदृष्टया सही पाए जाने के बाद निलंबन की कार्रवाई की गई। उक्त वायरल ऑडियो में महिला दारोगा से अपनी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर नाराजगी जताती सुनाई दे रही है। वह कहती है कि दूसरे पक्ष के बुलावे पर दारोगा तीन बार मौके पर पहुंचे, लेकिन उसकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। महिला सुबह मौके पर आने की बात कहती है, जबकि जवाब में दारोगा की आवाज में कथित तौर पर रात में आने की बात कही जाती है। बातचीत के दौरान महिला पहले एक हजार और फिर तीन हजार रुपये दिए जाने का भी जिक्र करती सुनाई देती है। ऑडियो में रुपये लेने और आगे भी महिला के पक्ष में कार्रवाई करने को लेकर बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वायरल ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि बॉर्डर न्यूज मिरर द्वारा नहीं की गई है। दरअसल, पूरा मामला सुगौली थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव का है। यहां दो पड़ोसियों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। 07 अक्टूबर 2026 को एक महिला ने जमीन विवाद के दौरान झोपड़ी में आग लगाने और तोड़फोड़ किए जाने का आरोप लगाते हुए सुगौली थाने में आवेदन दिया था। पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इस मामले की जांच पुलिस अवर निरीक्षक शैलेश कुमार कर रहे थे। महिला का आरोप था कि उसकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने और दूसरे पक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय मामले को रफा-दफा करने के एवज में रुपये की मांग की गई। महिला के अनुसार, वह दो किस्तों में कुल चार हजार रुपये दे चुकी थी। इसके बावजूद उससे और रकम देने का दबाव बनाया जा रहा था। इसी कथित बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस के वरीय अधिकारियों तक पहुंचा। वायरल ऑडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने सुगौली के पर्यवेक्षी पदाधिकारी से मामले की जांच कराई। 17 नवंबर को जारी पुलिस प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि जांच के दौरान शैलेश कुमार की कथित बातचीत और मामले को रफा-दफा करने के एवज में चार हजार रुपये लेने से संबंधित तथ्य सामने आए। प्रथमदृष्टया उनकी संलिप्तता प्रतीत होने तथा उनके आचरण को विभागीय अनुशासन एवं पुलिस नियमों के प्रतिकूल मानते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) को विस्तृत जांच करने और 24 घंटे के भीतर जांच प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया है। पुलिस प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि संबंधित पुलिस पदाधिकारी के कथित आचरण से आम लोगों में पुलिस के प्रति अविश्वास और असंतोष की भावना उत्पन्न हुई है, जिससे पुलिस की छवि प्रभावित हुई है।

दारोगा का पक्ष लेने का प्रयास, नहीं मिला जवाब– इस संबंध में आरोपित दारोगा शैलेश कुमार से उनके मोबाइल और व्हाट्सऐप नंबर पर संपर्क कर पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन वह फोन पर उपलब्ध नहीं हो सके और ना ही उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया मिली। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। इस पूरे प्रकरण ने जमीन विवादों में पुलिस की कार्यशैली, शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण और आम लोगों को न्याय दिलाने की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल दारोगा के निलंबन के बाद सबकी निगाहें एसडीपीओ की विस्तृत जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। अब देखना होगा कि जांच में और कौन-से तथ्य सामने आते हैं तथा विभागीय स्तर पर आगे क्या कार्रवाई की जाती है।

जिला के 67 पंचायतों में आयोजित हुआ सहयोग शिविर

जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं मनरेगा जॉब कार्ड का किया गया वितरण, कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं लोक सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को जिले की कुल 67 पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं एवं शिकायतें सीधे प्रशासनिक पदाधिकारियों के समक्ष रखने तथा पंचायत स्तर पर ही सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने का अवसर मिला। शिविर में विभिन्न विभागों के प्रखंड एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी अपने-अपने निर्धारित काउंटर पर उपस्थित रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, आवास, राशन, पेंशन, राजस्व एवं भूमि विवाद, मनरेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत तथा पेयजल सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों को पदाधिकारियों के समक्ष रखा। पदाधिकारियों ने आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों को संबंधित विभागों द्वारा संधारित करते हुए उनके नियमानुसार निष्पादन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। साथ ही, जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका शिविर में ही ऑन द स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को विभिन्न लोक सेवाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। इसके तहत जन्म प्रमाण-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं मनरेगा जॉब कार्ड सहित आवश्यक प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया। इससे ग्रामीणों को अपने पंचायत क्षेत्र में ही सरकारी सेवाएं उपलब्ध हुईं तथा प्रखंड एवं जिला मुख्यालय का अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिली। शिविर में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, आपूर्ति विभाग, सामाजिक कल्याण विभाग, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, स्वास्थ्य विभाग, आवास विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। संबंधित पदाधिकारियों द्वारा तत्काल निष्पादन योग्य आवेदनों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों की गंभीरता से जांच करते हुए नियमानुसार त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन किया जाए। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान करना तथा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और आम जनता को त्वरित राहत उपलब्ध कराएं। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, पात्रता एवं उपलब्ध लोक सेवाओं की जानकारी भी दी गई। इस पहल से प्रशासन एवं आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ तथा ग्रामीणों को अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखने का सुलभ मंच प्राप्त हुआ। सहयोग शिविर में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, संबंधित पंचायतों के माननीय मुखिया, वार्ड सदस्य, सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।



पुलिस की दबिश के बाद 10 हजार का इनामी नरेश पांडेय ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

» 18 से अधिक मामलों में है आरोपी, शराब और हथियारों के अवैध कारोबार को लेकर पुलिस करेगी रिमांड पर पूछताछ

बीएनएम @ मोतिहारी



छतौनी थाना क्षेत्र के 10 हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी नरेश पांडेय ने पुलिस की लगातार बढ़ती दबिश के बाद मंगलवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। इसके साथ ही उसके घर पर कुर्की का इश्तेहार भी चस्पा किया गया था। पुलिस की लगातार कार्रवाई के दबाव में उसने न्यायालय में सरेंडर कर दिया। नरेश पांडेय के खिलाफ छतौनी थाना समेत जिले के अलग-अलग थानों में 18 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह शराब और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों में कई महीनों से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए मोतिहारी पुलिस ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि नरेश पांडेय को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। पूछताछ के दौरान शराब और हथियारों के अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। साथ ही फरारी के दौरान उसके ठिकानों और उसे संरक्षण देने वाले लोगों की भी पहचान की जाएगी। पुलिस उसके साथियों की तलाश में भी जुटी है। एसपी ने कहा कि जिले में फरार आरोपियों के खिलाफ इनाम घोषित करने, कुर्की और लगातार छापेमारी की कार्रवाई जारी रहेगी। अपराध में संलिप्त लोगों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत, चालक फरार

बीएनएम @ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक दिहाड़ी मजदूर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक उक्त वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव के वार्ड संख्या- 4 निवासी रामाशंकर साह (35 वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, रामाशंकर अपने दैनिक कार्य के सिलसिले में राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलते ही रक्सौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। इसके बाद सड़क पर यातायात बहाल कराया गया। उधर, रामाशंकर की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। वह परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनकी असामयिक मौत से परिवार के सामने भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। वहीं, गांव में शोक का माहौल है। परिजनों ने प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। इस संबंध में रक्सौल थानाध्यक्ष रमेश महतो ने बताया कि फरार वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। जल्द ही फरार चालक और वाहन की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



पति ने रंगीता की हत्या कर खेत में दफनाया, घर से कुदाल बरामद

» सिर पर कुदाल से वार कर किया बेहोश, फिर गला दबाकर उतारा मौत के घाट; शव को खेत में गाड़ने की बात कबूली, पांच माह के मासूम के सिर से उठा मां का साया

बीएनएम @ विक्की विजेन्द्र





ढाका। ढाका थाना क्षेत्र के करसहिया गांव की विवाहिता रंगीता कुमारी हत्याकांड का पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस के अनुसार, रंगीता की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके पति कुंदन कुमार ने ही की थी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ने पहले रंगीता के सिर पर कुदाल से वार कर उसे बेहोश किया और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने शव को ठिकाने लगाने के लिए गड्ढा खोदकर बीच सरेह में दफना दिया था। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कुदाल उसके घर से बरामद की गई है। मृतका की पहचान करसहिया गांव निवासी भगत प्रसाद कुशवाहा की पुत्री रंगीता कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, छठ महापर्व के खरना की शाम से ही वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता थी। बताया जाता है कि उसी शाम उसके पति कुंदन कुमार ने फोन कर रंगीता से बात कराने को कहा था। पिता ने जब उसकी बात कराई, तो कुंदन ने उसे घर के पीछे स्थित खेत में बुलाया। इसके बाद से रंगीता का कोई पता नहीं चला। परिजनों और ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने 16 नवंबर 2026 को करसहिया इस्लाम चौक पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस से जल्द कार्रवाई करते हुए लापता विवाहिता की बरामदगी की मांग की। लोगों की लगातार दबाव और जांच के बीच सोमवार शाम करीब 6:30 बजे पुलिस ने करसहिया नहर के पास से रंगीता का शव बरामद किया। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पति कुंदन कुमार से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में हत्या की बात सामने आई। आरोपी के बयान के आधार पर उसके घर से वारदात में इस्तेमाल की गई कुदाल भी बरामद कर ली गई। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। बताया जाता है कि रंगीता की शादी करीब दो वर्ष पहले इनरवा फुलवार निवासी विंदेश्वरी प्रसाद के पुत्र कुंदन कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। दंपती का महज पांच माह का एक बेटा है, जो अब मां की ममता से वंचित हो गया है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। रंगीता का अंतिम संस्कार इनरवा स्थित उसके पति के घर के सामने मंगलवार को रंगीता के मायके वालों के द्वारा कर दिया गया।

पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल



बीएनएम @ रामगढ़वा

पुलिस ने अलग-अलग कांडों में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजीव मौवार ने बताया कि रामगढ़वा थाना कांड संख्या 387/26 में हत्या के प्रयास के आरोप में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में धन बहादुर महतो (39 वर्ष), पिता हरिशंकर महतो और अजीत महतो उर्फ आदित्य कुमार (19 वर्ष), पिता धन बहादुर महतो, दोनों ग्राम बेलवा पीपरपाती, थाना रामगढ़वा के रहने वाले हैं। वहीं रामगढ़वा थाना कांड संख्या 504/26 में शराब सेवन के आरोप में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें नितेश गोस्वामी (38 वर्ष), पिता शत्रुघ्न गोस्वामी, ग्राम वृंदावन, थाना कल्याणपुर और विकास कुमार गोस्वामी (35 वर्ष), पिता स्वर्गीय महेश गोस्वामी, ग्राम जानपुल मोतिहारी, थाना बंजरिया के रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जांच रिपोर्ट सौंपने के बाद भी नहीं निकला समाधान अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे सरपंच

छठ घाट और श्मशान की जमीन पर पंचायत सरकार भवन निर्माण का विरोध, स्थल बदलने की मांग पर अड़े ग्रामीण

बीएनएम @ तुरकौलिया



जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड संख्या 11 में पंचायत सरकार भवन के निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। निर्माण स्थल बदलने की मांग को लेकर सरपंच बृजकिशोर कुमार मंगलवार को तुरकौलिया प्रखंड परिसर में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ गए। हैरानी की बात यह है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय जांच टीम अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है, इसके बावजूद अब तक मामले का कोई समाधान नहीं निकल सका है। सरपंच और ग्रामीणों की मुख्य आपत्ति भवन निर्माण के लिए चयनित जमीन को लेकर है। उनका कहना है कि जिस स्थल पर पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया जा रहा है, उसका उपयोग वर्षों से छठ घाट और श्मशान घाट के रूप में होता रहा है। यहां गांव की महिलाएं छठ पूजा करती हैं, जबकि ग्रामीणों के शवों का अंतिम संस्कार भी इसी स्थान पर किया जाता है। ऐसे में इस जमीन पर भवन निर्माण होने से गांव की धार्मिक आस्था और सामाजिक परंपराएं प्रभावित होंगी। ग्रामीणों का दावा है कि पंचायत में पंचायत सरकार भवन निर्माण के लिए अन्य स्थानों पर भी पर्याप्त सरकारी जमीन उपलब्ध है। इसके बावजूद विवादित स्थल पर ही निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सरपंच ने इस संबंध में पहले जिला पंचायती राज पदाधिकारी को आवेदन देकर आपत्ति जताई थी। वहां से सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने जिलाधिकारी से शिकायत की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने सीओ प्रभात कुमार, बीडीओ संतोष राज और बीपीआरओ की तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया और अपनी जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी। हालांकि, रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद भी प्रशासनिक स्तर पर कोई अंतिम निर्णय नहीं होने से नाराज सरपंच ने अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है। इस संबंध में सीओ प्रभात कुमार ने बताया कि जांच टीम अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप चुकी है। अब इस मामले में आगे का निर्णय जिला प्रशासन के स्तर से लिया जाना है। सरपंच के समर्थन में अनशन पर नरेश राय उर्फ कोदई यादव, सरोज कुमार, हरदेव राय, नंदलाल सहनी, सलेन्द्र यादव, रंजीत यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों ने निर्माण स्थल में बदलाव की मांग दोहराते हुए प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर विवाद का समाधान करने की अपील की है।

कोटवा थाना परिसर में मारपीट के वायरल वीडियो का पुलिस ने किया खंडन, जमीन विवाद का मामला आया सामने

पुलिस जांच में मारपीट की पुष्टि नहीं, चार पुत्रों पर कार्रवाई कराने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से लगाए गए थे आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी

कोटवा थाना परिसर में एक व्यक्ति के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट किए जाने के आरोप से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर पूर्वी चंपारण पुलिस ने जांच रिपोर्ट जारी की है। पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो की जांच में थाना परिसर में मारपीट किए जाने की पुष्टि नहीं हुई है। जांच में मामला पारिवारिक एवं जमीन विवाद से जुड़ा पाया गया है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कोटवा थाना क्षेत्र के निवासी रामाधार सहनी ने आरोप लगाया था कि थाना परिसर में पुलिस टीम ने उनके साथ मारपीट की है। वायरल वीडियो की सत्यता की जांच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02 जितेश कुमार से कराई गई। जांच में सामने आया कि रामाधार सहनी के कुल छह पुत्र हैं। इनमें से चार पुत्रों को उन्होंने पहले ही अलग कर दिया है। उनके साथ रह रहे दो पुत्रों और अलग रह रहे चार पुत्रों के बीच जमीन को लेकर पहले से विवाद चल रहा है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 13 नवंबर 2026 को रामाधार सहनी अपनी मवेशी के साथ थाना पहुंचे थे। उन्होंने अपने चार पुत्रों के खिलाफ मवेशी को मारने के संबंध में आवेदन दिया था। पुलिस ने आवेदन के आधार पर जांच की तो पता चला कि मवेशी बांस के कोठ में फंसकर गिर गया था। इसके बाद 15 नवंबर को रामाधार सहनी और उनके अलग रह रहे चार पुत्रों के बीच गाली-गलौज एवं विवाद होने की सूचना मिली। इस संबंध में उनकी पोती अमरावती देवी ने थाने को दूरभाष पर जानकारी दी। सूचना पर पुलिस की गश्ती टीम ने रामाधार सहनी एवं उनके तीन पुत्रों को थाने लाकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, छठ पर्व को देखते हुए सभी को भविष्य में आपसी विवाद नहीं करने की हिदायत दी गई। इसके बाद सनहा दर्ज कर सभी को पीआर बांड पर मुक्त कर दिया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02 जितेश कुमार की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए पुलिस ने स्पष्ट किया है कि थाना परिसर में रामाधार सहनी के साथ किसी प्रकार की मारपीट किए जाने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि पूरा मामला पारिवारिक एवं भूमि विवाद से जुड़ा है। अपने चार पुत्रों के विरुद्ध कार्रवाई कराने के उद्देश्य से थाना पर दबाव बनाने के लिए मनगढ़ंत आरोप लगाए जाने की बात जांच में सामने आई है।



संक्षिप्त समाचार

किराये के मकान में चार बच्चों के पिता का मिला शवः गले पर निशान से हत्या की आशंका

बीएनएम @ घोड़ासहन। शहर के वीरता चौक स्थित एक किराये के मकान में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कमरे से एक 32 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान पुराना धर्मशाला निवासी नंदकिशोर शाह के पुत्र धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वह चार बच्चों का पिता था। शव के गले पर निशान मिलने के बाद मामला और भी रहस्यमय हो गया है। युवक की मौत को लेकर परिजनों और स्थानीय लोगों के बीच कई तरह की चर्चाएं हैं। मृतक के परिजनों ने उसकी पत्नी पर हत्या करने का आरोप लगाया है, जबकि कुछ लोग घटना को आत्महत्या से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, मौत की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। बताया जाता है कि धर्मेंद्र छठ पर्व से कुछ दिन पहले ही प्रदेश से कमाकर घर लौटा था। इसके बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही घोड़ासहन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस हत्या और आत्महत्या समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। फिलहाल किसी पक्ष की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

थारू बेटी प्रीति कुमारी का बिहार एथलेटिक्स टीम में चयन

बीएनएम @ बेतिया। जिले के गौनाहा प्रखंड के सीठी गांव की धाविका प्रीति कुमारी का चयन 70वीं नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-17 बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए बिहार टीम में हुआ है। वह मध्य प्रदेश के शिवपुरी में 19 से 23 नवंबर तक आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रीति 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ और रिले रेस में हिस्सा लेंगी। थारू बहुल सीठी गांव की रहने वाली प्रीति ने अपने खेल सफर की शुरुआत नदी के टापू पर ग्रामीणों और युवाओं के सहयोग से तैयार अस्थायी मैदान में अभ्यास करके की थी। सीमित संसाधनों के बावजूद लगातार मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। उनके चयन से गांव सहित पूरे पश्चिम चंपारण में खुशी का माहौल है। प्रथम खेल नर्सरी के संरक्षक एवं मंत्री नंदकिशोर राम, बखरी विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद फिरोज आलम, राज्य समन्वयक दीनानाथ सिन्हा, संत पॉल स्कूल के प्राचार्य फादर सीबी, सुनील गुप्ता, सुनील वर्मा, डॉ. वीरेंद्र नारायण और अमित कुमार गुड्डू सहित कई लोगों ने प्रीति को बधाई दी। प्रथम खेल नर्सरी के मुख्य प्रशिक्षक सुमित पांडेय ने कहा कि प्रीति की उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

फुटबॉल टूर्नामेंट में थरुहट महाविद्यालय क्लब विजेता

बीएनएम @ बगहा। बगहा-2 प्रखंड के बिनवलिया बोदसर पंचायत स्थित बिनवलिया बजरंगबली मैदान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में थरुहट महाविद्यालय क्लब ने टीएस क्लब हरनाटांड़ को हराकर खिताब अपने नाम किया। टीएस क्लब हरनाटांड़ की टीम उपविजेता रही। मुकाबले के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर वाल्मीकिनगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल समाज में एकता, भाईचारा और आपसी सौहार्द को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। खेल से अनुशासन, टीम भावना और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने युवाओं से पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी भाग लेने की अपील की।

टक्कर से पिता-पुत्र समेत तीन घायल, मासूम गंभीर

बीएनएम @ बेतिया। जिले के गौनाहा थाना क्षेत्र के बखरी गांव के समीप मंगलवार दोपहर अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता-पुत्र समेत तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रूपौलिया निवासी सुधीर महतो अपने दोनों बच्चों आर्यन (12) और आयुष (10) के साथ ससुराल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बखरी गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तीनों घायलों को रेफरल अस्पताल गौनाहा पहुंचाया। चिकित्सक डॉ. पंकज ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि आयुष के सिर में गंभीर चोट आई है और उसकी एक अंगुली भी टूट गई है। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया गया। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है।

गौनाहा में आस्था का जनसैलाब, डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के गौनाहा प्रखंड क्षेत्र में रविवार को लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। छठ के तीसरे दिन व्रतियों ने विभिन्न घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर संतान की लंबी आयु, अच्छी सेहत और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। गौनाहा, अहरार पिपरा, बेलसण्डी, महूई, हरपुर, लछनौता, बेलवा, रुपवलिया, सिट्ठी, भीतिहरवा, मेहंनौल, बजड़ा, दोमाठ और जमुनिया समेत विभिन्न पंचायतों के गांवों में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ भगवान सूर्य और छठी मइया की पूजा-अर्चना की तथा ठेकुआ सहित अन्य प्रसाद अर्पित किए। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए घाटों पर व्यवस्था की गई थी। वहीं, बेलसण्डी पंचायत के अहरार पिपरा छठ घाट पर उपमुखिया छोटे खां, वार्ड सदस्य उमेश राउत, पूर्व मुखिया आमिर हाशमी, मदन राम, रंजन कुमार, गुड्डू कुमार, भिखारी खां, चंदू राउत, सेराजुल मियां और रैफूल आजम समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा।

कार से 42.584 किलो गांजा बरामद, चालक गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 42.584 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। रविवार शाम मटियरिया पुल के पास वाहन जांच के दौरान नरकटियागंज की ओर से आ रही सफेद रेनॉल्ट कार (BR06CK6811) को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इसके बाद भाग रहे चालक को पुलिस ने खदेड़कर पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखा गया 42.584 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया। अंचलाधिकारी एवं मजिस्ट्रेट आशु रंजन की निगरानी में गांजे का वजन कराया गया। गिरफ्तार चालक की पहचान शिकारपुर थाना क्षेत्र के कुकरा चनपटिया निवासी 32 वर्षीय अजीत कुमार, पिता हरेंद्र महतो के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस गांजे के स्रोत, आपूर्ति के ठिकाने और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

गन्ना मूल्य घोषित नहीं होने से किसानों में नाराजगी

बीएनएम @ बगहा। ई-किसान भवन बगहा-2 परिसर में मंगलवार को ईख काश्तकार संघ की बैठक आयोजित की गई। इसमें चालू पेराई सत्र के लिए गन्ने का उचित मूल्य निर्धारित नहीं होने पर किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों ने कहा कि चीनी मिल प्रबंधन ने पेराई सत्र शुरू करने की तारीख घोषित कर दी है, लेकिन अब तक गन्ने की कीमत तय नहीं की गई है। ईख काश्तकार संघ के प्रदेश सचिव छोटे श्रीवास्तव, लाल बाबू यादव और मुन्ना खां सहित अन्य किसानों ने कहा कि खाद, बीज, सिंचाई और मजदूरी की लागत लगातार बढ़ रही है।

प्रतिनियुक्त विशेष सर्वेक्षण अमीनों को दिया जा रहा राजस्व कार्यों का प्रशिक्षण

बीएनएम @ बगहा



बगहा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निर्देश पर बगहा अनुमंडल के सात अंचलों में प्रतिनियुक्त विशेष सर्वेक्षण अमीनों का विभागीय प्रशिक्षण जारी है। प्रखंड सह अंचल कार्यालय बगहा-1 के सभागार में मंगलवार को प्रशिक्षण के तीसरे दिन 49 विशेष सर्वेक्षण अमीनों को दाखिल-खारिज, जमीन के दस्तावेजों की जांच और ऑनलाइन राजस्व कार्यों की जानकारी दी गई। बगहा-2 के अंचलाधिकारी वसीम अकरम के नेतृत्व में आयोजित प्रशिक्षण में बगहा-1 के अंचलाधिकारी रवि भूषण गौरव, रामनगर के अंचलाधिकारी वेद प्रकाश और मधुबनी के अंचलाधिकारी नंदलाल राम भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान अमीनों को जमाबंदी पंजी, खाता-खेसरा, खतियान, राजस्व अभिलेखों के सत्यापन तथा परिमार्जन प्लस पोर्टल के माध्यम से कार्य निष्पादन की जानकारी दी गई। इसके अलावा बिहार भूमि पोर्टल पर ऑनलाइन दाखिल-खारिज और सरकारी एवं रैयती जमीन से संबंधित प्रक्रियाओं को भी समझाया गया। विभागीय प्रशिक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी मार्गदर्शन दे रहे हैं। प्रशिक्षण में बगहा-1, बगहा-2, रामनगर, भितहां, मधुबनी, पिपरासी और ठकराहा अंचल के अमीन शामिल हैं। हड़ताल पर गए राजस्व कर्मचारियों के स्थान पर प्रतिनियुक्त इन अमीनों को राजस्व कार्यों के सुचारू संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण 23 नवंबर तक चलेगा।

छठ घाट पर पटाखे को लेकर मारपीट



बीएनएम @ बेतिया

जिले के गौनाहा थाना क्षेत्र स्थित पंडयी नदी के छठ घाट पर पटाखे फोड़ने को लेकर मसही और विसौली गांव के युवकों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया, जिसमें तीन युवक घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, छठ पूजा के दौरान नदी के दोनों छोर पर मसही और विसौली गांव के लोग अर्घ्य दे रहे थे। इसी दौरान पटाखे फोड़ने को लेकर कुछ युवकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गई। मारपीट में मसही गांव के दो युवक और विसौली गांव का एक युवक घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले नरकटियागंज और फिर बेतिया ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। घटना से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, हालांकि इसकी पुष्टि अखबार नहीं करता है। स्थानीय मुखिया सोआलाल महतो ने घटना की पुष्टि की है। गौनाहा थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता ने बताया कि अब तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, सात घायल

बीएनएम @ बेतिया



पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के लालसरैया चौक पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और बाइक की जोरदार टक्कर में सात लोग घायल हो गए। इनमें गंभीर रूप से घायल दो युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद छठ की खुशियां मातम में बदल गईं। जानकारी के अनुसार, बेतिया-मोतिहारी मुख्य मार्ग स्थित एनएच-727 पर देर शाम यह हादसा हुआ। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को संभालते हुए पुलिस को सूचना दी। घायलों की पहचान लालसरैया पंचायत के वार्ड संख्या-8 निवासी अशोक चौधरी, ललिता चौधरी, आराध्या चौधरी, अनन्या चौधरी, विनोद चंद्रशील, मोहम्मद ओसामा और सोनू आलम के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही मझौलिया थानाध्यक्ष अमर कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच, बेतिया पहुंचाया। इलाज के दौरान दो युवकों की मौत हो गई। दोनों मृतक बेतिया के दुआर देवी चौक के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो और बाइक को कब्जे में लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद लालसरैया से लेकर दुआर देवी चौक तक शोक की लहर है।

खेत जलमग्न, पांच महीने से किसान परेशान



बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। नरकटियागंज प्रखंड की भसुरारी पंचायत में पंचायत भवन परिसर में लगी बोरिंग से लगातार पानी निकलने के कारण आसपास के किसानों की परेशानी बढ़ गई है। करीब पांच महीने से पानी का बहाव जारी रहने से वार्ड संख्या-16 के कई एकड़ खेत जलमग्न हैं। जलजमाव के कारण धान की फसल सड़ने लगी है, वहीं तैयार गन्ने की फसल की कटाई भी प्रभावित हो रही है। मंगलवार को परेशान किसानों ने विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन से समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। किसान नथु पटेल, कैलाश महतो, छबिला यादव, बृजेश यादव, उमेश महतो, राजन यादव और रमेश महतो ने बताया कि पंचायत भवन में बोरिंग लगने के बाद से लगातार पानी निकल रहा है। खेतों में जलजमाव के कारण गन्ना चीनी मिल तक पहुंचाने में परेशानी हो रही है। वहीं रबी फसलों की बुआई का समय नजदीक आने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों ने बोरिंग से निकल रहे पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। इस संबंध में बीडीओ सूरज कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है और जल्द ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

21 वर्षों से छठ व्रत कर रहीं जूही यासमीन, पेश की सौहार्द की मिसाल



बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। नरकटियागंज नगर के वार्ड संख्या-7 निवासी जूही यासमीन पिछले 21 वर्षों से पूरी श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ छठ महापर्व का व्रत कर रही हैं। मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखने वाली जूही की आस्था सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश कर रही है। उन्होंने करीब 21 वर्ष पहले संतान प्राप्ति के लिए छठी मैया से मन्नत मांगी थी। मनोकामना पूरी होने के बाद उन्होंने छठ व्रत करने का संकल्प लिया। तभी से वह प्रत्येक वर्ष पूरी निष्ठा के साथ यह कठिन अनुष्ठान करती आ रही हैं। चार दिवसीय छठ पर्व के दौरान वह नहाय-खाय से लेकर खरना तक सभी परंपराओं का विधिवत पालन करती हैं। खरना में गुड़ की खीर का प्रसाद तैयार करने के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं और अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करती हैं। जूही यासमीन की यह 21 वर्षों की परंपरा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता, गंगा-जमुनी तहजीब और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश दे रही है। उनका विश्वास है कि श्रद्धा, प्रेम और इंसानियत किसी एक मजहब तक सीमित नहीं हैं।

बगहा में कार पेड़ से टकराई, तीन युवकों की मौत

बीएनएम @ बगहा



बगहा। प्रखंड बगहा-1 के छोटकीपट्टी-भैरोगंज मुख्य मार्ग पर खोड़ा परसा गांव के समीप मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सभी छह युवक वाल्मीकिनगर से पिकनिक मनाकर मारुति कार से शिकारपुर थाना क्षेत्र के नवलपरासी लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक सड़क पर बकरी आ गई। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में 20 वर्षीय धनेश कुमार, आलोक कुमार और अभिषेक कुमार की मौत हो गई, जबकि अरविंद कुमार, अमीर कुमार समेत तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर 112 पुलिस टीम स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अनुमंडलीय अस्पताल बगहा पहुंचाया। चिकित्सकों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल तीनों युवकों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। घटना के बाद मृतकों के परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फुलवरिया के खेत में जला महिला का शव मिला



बीएनएम @ बेतिया

जिले के लौरिया थाना क्षेत्र की कटैया पंचायत के वार्ड संख्या-6 स्थित फुलवरिया गांव के सरेह में सोमवार को एक अज्ञात महिला का अर्धनग्न और बुरी तरह जला हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने खेत के बांध पर संदिग्ध अवस्था में शव पड़ा देखा, जिसके बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या के बाद पहचान छिपाने और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को जलाने का प्रयास किया गया हो। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मृतका की पहचान और उम्र का पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलने पर लौरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस मृतका की पहचान स्थापित करने के साथ ही घटना के कारणों और इसमें शामिल लोगों का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल मामले में पुलिस जांच जारी है।

नरकटियागंज में भास्कर महोत्सव का आयोजन

बीएनएम @ बेतिया



नरकटियागंज चीनी मिल परिसर स्थित बिरला मंदिर छठ घाट पर छठ महापर्व के अवसर पर भव्य भास्कर महोत्सव का आयोजन किया गया। कला एवं संस्कृति विभाग तथा जिला एवं अनुमंडल प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छठ महापर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरुआत गायक असलम चिश्ती ने गणेश वंदना से की। इसके बाद छठ गीतों की प्रस्तुति दी गई। लोकगायक अरविंद लाल यादव, ममता कुमारी, बाबू देवेंद्र और मनोज मिश्रा ने अपनी गायकी से श्रद्धालुओं और दर्शकों का मनोरंजन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान घाट पर मौजूद लोगों ने तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी अभिजीत कुमार गोविंदा, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सूरज कुमार, अंचलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बगहा में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

बीएनएम @ बगहा



बगहा। बगहा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में चार दिवसीय छठ महापर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। छठव्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-शांति, आरोग्यता और समृद्धि की कामना की। महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से हुई। दूसरे दिन खरना के बाद व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा। तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य तथा चौथे दिन उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित किया गया। इस दौरान विभिन्न घरों एवं पूजा स्थलों पर पारंपरिक विधि से कोसी भरने की रस्म भी निभाई गई। गन्ने से बने मंडप के नीचे मिट्टी के हाथी, दीपक, फल और प्रसाद रखकर महिलाओं ने पारंपरिक छठ गीत गाए। नगर के विभिन्न घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और सजावट की विशेष व्यवस्था की गई थी। व्रतियों की सेवा और सहयोग में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चार दिनों तक पूरा नगर छठी मैया की भक्ति और भगवान भास्कर की आराधना में सराबोर रहा। महापर्व ने सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और लोक संस्कृति की सुंदर झलक पेश की।

नज़रिये में खोट है

यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10-15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए। संभव है कि नरेंद्र मोदी सरकार इसे अपनी उपलब्धि माने कि विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम-जी योजना पर सुस्त प्रगति के कारण सरकारी खजाने में करीब 50,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि इस बचत का इस्तेमाल उर्वरक सब्सिडी के रूप में आए अतिरिक्त बोझ को पूरा करने के लिए किया जाएगा। इस वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी पर 40,000- 50,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च का अनुमान है। बहरहाल, ऐसा होने का अर्थ होगा कि सरकार सबसे निचले पायदान पर स्थित श्रमिक वर्ग की कीमत पर राजकोषीय सेहत बेहतर करेगी। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है। यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10-15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए। वीबी-जी रामजी योजना मनरेगा की जगह लाई गई। मनरेगा के तहत 100 दिन तक मिलने वाले काम से ग्रामीण श्रम के भुगतान का न्यूनतम प्रतिमान तय होता था, जिससे होने वाली आय ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग को सहारा देती थी। उससे गांवों से पलायन घटता था, जिससे शहरी मजदूरों को भी बेहतर मेहताना मिल पाता था। इससे भारतीय बाजार का मामूली, लेकिन बड़े दायरे में विस्तार हुआ। लेकिन उसकी जगह लागू योजना मांग-आधारित नहीं रही। केंद्र एवं राज्य अब 60:40 के अनुपात में खर्च साझा करते हैं, जैसा अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं में होता है। इन पहलुओं के कारण नई योजना पर अमल सुस्त हो गया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र ने इस योजना के लिए 95,692 करोड़ रुपये रखे हैं, जबकि राज्यों का हिस्सा 1.51 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। जाहिर है, इससे योजना को लागू करने में राज्यों की दिलचस्पी घट गई है। अब अनुमान है कि वित्त वर्ष के बाकी पांच महीनों में गति बढ़ने पर भी केंद्र का वार्षिक खर्च 40,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा। सरकार इस पर राहत महसूस कर सकती है, लेकिन भारत के मजदूरों और अर्थव्यवस्था के लिए यह बुरी खबर है।

कौशल विकास योजना के प्रदर्शन पर कैग की रिपोर्ट ने उठाए प्रश्न

रमेश कुमार, अनुवाद : संजय पराते

जुलाई 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद पेश किए गए पहले बजट में कौशल विकास को एक प्रमुख केंद्र-बिंदु माना गया था और स्किल इंडिया कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। सरकार का तर्क यह था कि भारतीय श्रम बल, विशेषकर युवाओं, में उद्योग की जरूरतों के अनुसार कौशल की कमी है और यही कारण है कि लोगों को रोज़गार नहीं मिल पा रहा है। इसके बाद, रोजगार-आकांक्षी उम्मीदवारों के कौशल को सुधारने के लिए कई योजनाएं घोषित की गईं। जुलाई 2015 में, सरकार ने बड़े धूमधाम से एक प्रमुख कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण देना और पहले से अर्जित कौशल को पूर्व-प्रशिक्षण मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से प्रमाणित करना था।

वर्ष 2015 से 2022 के दौरान केंद्र सरकार नेकौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की प्रमुख योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, के तहत 10,194 करोड़ रूपये जारी किए। इसके पहले तीन चरणों में, यह जानकारी दी गई कि 1.37 करोड़ लोगों को प्रशिक्षित किया गया और 1.10 करोड़ लोगों को प्रमाणित किया गया। लिखित रूप में यह 1.32 करोड़ के अपने लक्ष्य के करीब था। 2016 से, इस योजना को मुख्य रूप से राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से लागू किया गया, जिसे 75 प्रतिशत राशि दी गई, जबकि 25 प्रतिशत राशि राज्य कौशल मिशनों को दी गई।

हाल ही में, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने इस योजना का एक लेखा परीक्षा निष्पादित किया है, जिसे वर्ष 2025 की रिपोर्ट संख्या 20 के रूप में पटल पर रखा गया, जो यह दिखाता है कि इन आंकड़ों के पीछे का रिकॉर्ड कितना लचर है। समग्र स्थिति एक ऐसे कार्यक्रम की है, जो प्रमाण पत्र तैयार करने में बहुत माहिर हो गया है, लेकिन इससे कितना कौशल पैदा हुआ या नौकरियां मिलीं, यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं होता। इस लेखा परीक्षा में मंत्रालय, एनएसडीसी और आठ राज्य के साथ 90 प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण शामिल था।

बिना खाका प्रशिक्षणः रिपोर्ट का पहला मुख्य निष्कर्ष यह है कि इस योजना की कोई रणनीति नहीं थी। मंत्रिमंडल को 2015 में बताया गया था कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एक निरंतर चलने वाली योजना होगी, जिसके लक्ष्य कौशल में कमी के अध्ययन पर आधारित होंगे। फिर भी मंत्रालय ने कोई दीर्घकालिक योजना तैयार नहीं की, और 2020 में राष्ट्रीय कौशल विकास योजना में जो वादा किया गया था, उसे कभी पूरा ही नहीं किया गया। अंकेक्षित आठ राज्यों में से केवल दो के पास ही राज्य-स्तरीय योजनाएं थीं। परिणामस्वरूप, प्रशिक्षण के प्रयास वास्तविक जरूरतों से भटक गए। कौशल विकास और उद्यमिता पर राष्ट्रीय नीति (2015) के अनुसार, नई कौशल मांग का 60 प्रतिशत से अधिक पांच क्षेत्रों में था : निर्माण, रसद, सौंदर्य और कल्याण, फर्नीचर और पर्यटन। लेकिन इन क्षेत्रों को पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण का केवल 22.7 प्रतिशत प्राप्त हुआ। अकेले निर्माण क्षेत्र में मांग कुल अनुमानित मांग का 28 प्रतिशत थी, लेकिन उसे लगभग तीन प्रतिशत प्रमाणन ही मिले। इस दौरान, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और खुदरा क्षेत्र की अनुमानित आवश्यकता दस प्रतिशत से भी कम थी, लेकिन इसकी तुलना में इसने 40 प्रतिशत से अधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभिन्न क्षेत्रों में, प्रयास केवल एक ही नौकरी की भूमिका पर केंद्रित थे। दस में से नौ ग्रीन रोजगार प्रमाण पत्र सफ़ाई कर्मचारियों के लिए थे, और दो-तिहाई प्रबंधन प्रमाण पत्र बिना हथियार वाले सुरक्षा गार्डों के लिए थे। जुलाई 2022 में मंत्रालय ने स्वयं एनएसडीसी को बताया कि बाजार की मांग का आकलन किए बिना नौकरी की भूमिकाएं चुनना रोजगार के खराब रिकॉर्ड का मुख्य कारण था।

किसको प्रशिक्षण मिला?: इस योजना को उन बेरोजगार युवाओं और बीच में पढ़ाई छोडऩे वाले लोगों तक पहुंचना था, जो प्रत्येक पद के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु और योग्यता को पूरा करते थे। व्यवहार में, प्रशिक्षण की नामांकन प्रणाली ने दोनों में से किसी की भी जांच नहीं की। कैग ने पाया कि 6.54 लाख ऐसे उम्मीदवार थे, जो अपने पद के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु से कम थे। इनमें 18 वर्ष से कम आयु के 1,142 ऐसे व्यक्ति शामिल थे, जिन्हें ड्राइवर और शॉफर के पदों के लिए प्रमाणित किया गया था, जिसके लिए कानूनी रूप से लाइसेंस की आवश्यकता होती है। आठ लाख से अधिक उम्मीदवारों के पास अपने पदों के लिए आवश्यक न्यूनतम शिक्षा नहीं थी। पहले से ही तकनीकी योग्यताओं की आवश्यकता वाले पदों के लिए, प्रमाणित लोगों में से 85 प्रतिशत के पास वे योग्यताएँ नहीं थीं। न ही पंजीकरण प्रणाली यह दर्ज कर पाई कि कोई उम्मीदवार बेरोजगार था या पढ़ाई छोड़ चुका था, इसलिए यह जाँचने का कोई उपाय नहीं था कि यह योजना अपने लक्षित समूह तक पहुँची या नहीं। जब अंकेक्षकों ने योजना के वर्तमान चरण, पीएमकेवीवाई 4.0 के आंकड़ों की जाँच की, तब भी समस्याएँ जस की तस थीं : अक्टूबर 2024 तक, और 1.18 लाख कम-उम्र उम्मीदवारों को प्रमाणित कर दिया गया था।

अविश्वसनीय आंकड़ेः इस योजना का पूरा प्रबंधन स्किल इंडिया पोर्टल के माध्यम से किया गया था : उम्मीदवारों का नामांकन, प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं को नियुक्त करना, परिणाम दर्ज करना, प्रमाण पत्र जारी करना और भुगतान करना। इसलिए यह पोर्टल इस योजना के नियमों को लागू करने का मुख्य साधन था, और इसके आंकड़ों की स्थिति दर्शाती है कि उन नियमों का कितनी अच्छी तरह से पालन कराया गया है! अंकेक्षण में पता चला कि पोर्टल में पहले से मौजूद जांच प्रणाली को चुपचाप कमजोर कर दिया गया था, और उनकी जगह कुछ नहीं दर्ज किया गया था। बैंक खाते : दूसरे और तीसरे चरण के 95.9 लाख उम्मीदवारों में से 94.5 प्रतिशत के मामले में बैंक खाता विवरण शून्य, लागू नहीं, उपलब्ध नहीं, या खाली था। जहां नंबर दर्ज किए गए थे, उनमें से कुछ साझा किए गए थे : एक ही खाते का उपयोग 2,000 से अधिक उम्मीदवारों के लिए किया गया था, और 1111111111 जैसी प्रविष्टियां आम थीं।

ईमेल पते : 5,000 से अधिक उम्मीदवारों के लिए 53 बार एक ही ई-मेल पते का उपयोग किया गया। प्रशिक्षक की आईडी : 61 लाख प्रमाणित उम्मीदवारों वाले बैचों में प्रशिक्षक की आईडी ही नहीं थी या 0 थी। आंकड़ें रखने की कोई नीति नहीं : आंकड़ों को सुरक्षित रखने की कोई नीति बिल्कुल नहीं थी। कैग को लाभार्थियों के अपने ऑनलाइन सर्वे में असफलता मिली : एक तिहाई से अधिक ईमेल वापस आ गए। लगभग 34 लाख प्रमाणित उम्मीदवारों को उनसे किए गए 500 रूपये के पारितोषिक का भुगतान कभी नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश ने अपने 74,000 राज्य-घटक उम्मीदवारों में से किसी को भी कोई पारितोषिक नहीं दिया। इस पूरी अवधि में, मंत्रालय का मुख्य तर्क यह था कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया गया भुगतान यह साबित करता है कि प्रशिक्षण वास्तविक था। लेकिन कैग ने इस तर्क को खारिज किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, अंकेक्षण का यह दृष्टिकोण है कि आधार से जुड़े खातों में भुगतान से यह स्वतः सुनिश्चित नहीं होता कि भुगतान वास्तविक उम्मीदवारों को किया गया था, हालांकि मंत्रालय ने प्रशिक्षण के संचालन के प्रमाण के रूप में पूरी तरह से इसी तरीके पर भरोसा किया [पैरा 2.4.2.2]। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के मामलों में, कैग इस बात को दोहराता है कि : उम्मीदवारों को किया गया भुगतान प्रशिक्षण के संचालन या सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के रूप में एजेंसी के अस्तित्व का प्रमाण नहीं बनता है [पैरा 3.8.1]।

पूर्व-प्रशिक्षण मान्यता और सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं के बारे में जून 2018 में इस योजना की संचालन समिति ने अल्पकालिक प्रशिक्षण लक्ष्यों को कम कर दिया और पूर्व-प्रशिक्षण मान्यता (आरपीएल) के लक्ष्यों को 40 लाख से बढ़ाकर लगभग 68 लाख कर दिया। बैठकों के विवरण में मुख्य कारण धन को बताया गया है। मूल प्रशिक्षण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 6,600 करोड़ रुपयों की अतिरिक्त आवश्यकता थी, जबकि इसकी तुलना में मौजूदा कामगारों को प्रमाणित करना काफी सस्ता था। तीसरे चरण के अंत तक, आरपीएल की हिस्सेदारी सभी प्रमाणपत्रों में से लगभग आधी थी। सबसे गंभीर निष्कर्ष एक आरपीएल चैनल, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के साथ आरपीएल से संबंधित हैं। इसका उद्देश्य बड़े और प्रतिष्ठित नियोक्ताओं को बिना औपचारिक प्रशिक्षण के अपने कर्मचारियों को प्रमाणित करने की अनुमति देना था। इसके लिये पात्रता नियमों में ढील दी गई, और परिणाम चौंकाने वाले थे। नीलिमा मूविंग पिक्चर्स एक अपंजीकृत एकल स्वामित्व वाली फर्म थी, जिसके लिंक्डइन पेज पर दो से दस कर्मचारी दर्ज थे। इसने आठ राज्यों में 33,493 कर्मचारियों को अभिनेता, एनिमेटर और संपादक के रूप में प्रमाणित किया। बिहार और उत्तर प्रदेश में बैचों के लिए सबूत के तौर पर वही तस्वीरें सामने आईं, और जब अंकेक्षकों ने इस फर्म खोजना चाहा, तब तक फर्म अस्तित्व में नहीं थी। रजिस्ट्रार ऑफ़ कंपनीज द्वारा रेडिएट डिज़ाइन्स का नाम काट दिया गया था और उसने 2014-15 से कोई विवरण दाखिल नहीं किया था। इसने मीडिया की नौकरियों के लिए 15,218 लोगों को प्रमाणित किया। इसका पता एक ऐसी दुकान का निकला, जिस पर कोई बोर्ड नहीं था, और इस दुकान का वास्तविक व्यवसाय प्रदर्शनी के स्टॉल बनाना था। जयपुर कल्चरल सोसाइटी ने 56,203 लोगों को प्रमाणित किया। इसके द्वारा सौंपी गई अख़बार की कतरनों में स्थान और तारीख बदलने के लिए फेरबदल किया गया था, जिनमें से एक तारीख 31 फ़रवरी 2020 थी! इस तरह, केवल चार नियोक्ताओं ने ही मिलकर 1.24 लाख लोगों को प्रमाणित कर दिया और कम से कम 9.96 करोड़ रूपयों की फीस हड़प ली। जो जाँच इस गड़बड़ी को पकड़ सकती थी, वह भी नाकाम रही। एनएसडीसी की निरीक्षण रिपोर्टों में अलग-अलग बैचों के लिए एक ही तस्वीरों का बार-बार उपयोग किया गया।

मोदी की किताबें, सोनिया की किताब

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दर्जन किताबें लिखी हैं। इसमें कविता की किताब है, मोटिवेशनल किताब है, बच्चों के लिए किताब है। सामाजिक समरसता व जलवायु परिवर्तन के ऊपर भी किताब है। ये सारी किताबें प्रधानमंत्री बनने के बाद छपी हैं। लेकिन अगर किसी से इन किताबों के बारे में पूछें तो शायद ही कोई बता पाए। भाजपा के ज्यादातर नेता भी इन किताबों के बारे में नहीं जानते हैं। न उनकी चर्चा करते हैं। किसी भी किताब को लेकर कभी ऐसी हाइप नहीं बनी, जैसी सोनिया गांधी की किताब को लेकर बनी है। नरेंद्र मोदी की किसी किताब पर कभी कोई चर्चा हुई हो, बहस हुई या उसमें कमी निकालने की होड़ मची हो, ऐसा भी नहीं है।

इसका अर्थ है कि किताब आई-गई हो गई। यह भी अर्थ है कि लोगों को यह जानने में कोई जिज्ञासा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी क्या लिख रहे हैं। उनकी एकमात्र चर्चित किताब 'एग्जाम वॉरियर्सÓ है। यह किताब पेंग्विन से छपी है, जो उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए लिखी है। लेकिन इस किताब की भी सकारात्मक तरीके से शायद ही कभी चर्चा हुई है। ऐसी तो कोई मिसाल नहीं है, जिससे लगे कि बच्चों या उनके अभिभावकों को इस किताब से बहुत लाभ मिला। हां, पिछले दिनों जब लगातार नीट की परीक्षा के पेपर लीक और गड़बडिय़ों को लेकर आंदोलन चल रहे थे तब कई लोगों ने इस पर तंज करते हुए लिखा कि नरेंद्र मोदी ने 'एग्जाम वॉरियर्सÓ नाम से किताब लिखी और उनकी सरकार ने सचमुच बच्चों को वॉरियर बना दिया। अब परीक्षा से पहले और बाद में बच्चों को कई मोर्चे पर लडऩा पड़ता है। पहली लड़ाई तो यही है कि परीक्षा समय पर हो। दूसरी लड़ाई है कि परीक्षा देने के लिए छात्र सेंटर पर पहुंच जाएं क्योंकि कई परीक्षाएं एक दिन रख दी जाती हैं, सेंटर इतनी दूर कर दिए जाते हैं कि बच्चें पहुंच नहीं पाते हैं। तीसरी लड़ाई यह है कि परीक्षा हो जाए तो पेपर लीक नहीं हों। इन सबसे पार पाकर अगर परीक्षा दे दी तो चौथी लड़ाई है कि अंकों में गड़बड़ी नहीं हो या किसी अन्य धांधली का खुलासा न हो, जिसके बाद परीक्षा रद्द हो जाए।



बहरहाल, 'एग्जाम वॉरियर्सÓ के अलावा मोदी ने 11 और किताबें लिखी हैं। एक किताब का नाम है 'साक्षी भावÓ यह किताब प्रभात प्रकाशन से छपी है और यह मोदी की कविताओं का संग्रह है, जिसमें पहली कविता मां पर है। मोदी ने लिखा है कि ये कविताएं उन्होंने आत्मसुख के लिए लिखी है। ऐसे ही कविता की एक अन्य किताब है 'अ जर्नीः पोएम्स बाई नरेंद्र मोदीÓ। यह किताब रूपा प्रकाशन से छपी है। यह गुजराती जो गुजराती, हिंदी में छपी हैं और फिर अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है। 'सोशल हारमनीÓ और 'सामाजिक समरसताÓ नाम से दो किताबें हैं। इसके बरक्स सोनिया गांधी की पहली किताब है-'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लवÓ। इस किताब की इतनी चर्चा है, जितनी हाल के दिनों में किसी किताब की नहीं हुई है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कांग्रेस के नेताओं के बीच, उसके इकोसिस्टम में चर्चा है। बौद्धिक जगत में भी इस किताब पर बात हो रही है। हर प्लेटफ़ॉर्म पर किताब की समीक्षा हो रही है। मीडिया और सोशल मीडिया में किताब के हर अध्याय को लेकर अच्छी या बुरी समीक्षा की जा रही है।

भाजपा के प्रवक्ता उस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो भाजपा की सहयोगी पार्टियों के नेता भी किताब खरीद कर गर्व के साथ उसका प्रदर्शन कर रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद अरुण भारती की तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वे खान मार्केट के बाहरी संस से सोनिया गांधी की किताब लेकर निकल रहे थे। जाहिर है कि हर पक्ष किसी न किसी मुद्दे को लेकर जानना चाहता है कि सोनिया गांधी की उस पर क्या राय है। यह उनके निजी जीवन की किताब है इसके बावजूद समकालीन राजनीति की बहुत सारी बातें इसमें हैं। वैसे इस किताब का प्रचार तो पहले ही हो गया, जब पेंग्विन ने इसे छापने से मना किया।

उस समय कहा गया कि इसमें लिखी कुछ बातों से सरकार को आपत्ति है इसलिए पेंग्विन ने छापने से मना किया है। तभी इस किताब को अच्छा खासा प्रचार मिला। फिर भाजपा के नेताओं ने पहले दिन से बिना पढ़े किताब की समीक्षा शुरू कर दी। उससे भी किताब के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ी। प्रकाशक ने पहला संस्करण एक लाख कॉपी में छापा है। किसी भी नॉन फिक्शन बुक के लिए यह बहुत बड़ी संख्या है। खासतौर से भारत में क्योंकि भारत में किताबें खरीद कर पढऩे की परंपरा कभी नहीं रही है। अमेरिका, यूरोप में आमतौर पर किताबों की एक मिलियन यानी 10 लाख प्रति बिक जाती है। भारत में ऐसा नहीं होता है। फिर भी सोनिया गांधी की किताब नए रिकॉर्ड बनाती लगती है।

पहाड़ों में मुनाफ़े की उड़ान और सुरक्षा रामभरोसे!

श्रुति व्यास

सोनिया गांधी ने 'बिलॉन्गिंगÓ में भारत से अपने जुड़ाव की कहानी लिखी है। राजीव के संग धड़के अपने दिल को याद किया है। फिर उस प्रेम के सहारे एक अनजान देश में आने, उसमें रचने-बसने, उसके सुख-दुख को अपनी साँसों में उतारने की कहानी कही है। मगर जिस स्त्री ने इतने वर्षों बाद अपने प्रेम, संकोच, उलझनों, दुख और स्मृतियों को शब्द दिए, उसकी अपनी कहानी पीछे छूट गई है। और लोग अपने-अपने आग्रह-पूर्वाग्रह से राय बना रहे हैं। बाल की खाल निकाल रहे हैं। किताब अभी आई ही है कि हिसाब लग रहा है। इससे किसे फायदा होगा, किसे नुकसान? किस प्रसंग से कांग्रेस को लाभ मिलेगा, किस खुलासे से भाजपा को हमला करने का मौका मिलेगा? किस स्मृति से राहुल गांधी की छवि बनेगी और किस चुप्पी से सोनिया गांधी को कठघरे में खड़ा किया जा सकेगा? किताब के पन्ने खुले नहीं कि दशकों पुरानी स्मृतियाँ ब्रेकिंग न्यूज बन गईं। पुस्तक के अंशों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर घूम रही हैं। भौकाल है, बिक्री है, राजनीतिक शोर है। बस उस स्त्री की कहानी सुनने, उसे महसूस करने की फुरसत नहीं है, जिसने इतने वर्षों बाद अपनी कहानी खुद कही है। दरअसल, भारत कभी तय नहीं कर पाया कि सोनिया गांधी को क्या माने। उन्हें अपनाया भी, उन पर संदेह भी किया। उन्हें सत्ता के शिखर तक पहुँचाया, तो बदनाम करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। दशकों से यह बहस चलती रही कि वे सचमुच भारत की अपनी हैं भी या नहीं। इसमें एक विचित्र विडंबना है। जिस देश में विवाह के बाद स्त्री को पति के परिवार का हिस्सा मान लिया जाता है, उसी देश में सोनिया गांधी का उस परिवार और देश से जुड़ाव हमेशा सवालों के घेरे में रहा। हालाँकि किसी दूसरी संस्कृति, दूसरे परिवेश में विवाह करके जाने वाली स्त्री जानती है कि नए संसार का अपना होना इतना आसान नहीं होता। उसमें समय लगता है। स्नेह और सामंजस्य से, उन रीति-रिवाजों को अपनाने से, जिन्हें कोई समझाता नहीं, और उन अपेक्षाओं को पूरा करने से, जिन्हें कोई खुलकर बताता नहीं। कभी-कभी किसी अपने को खोने के बाद ही उस संसार से रिश्ता गहरा होता है।

इसीलिए मैंने सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगÓ उनकी राजनीति को समझने के लिए नहीं उठाई। उस बारे में तो वर्षों से पढ़ती आई हूँ। किताब उठाने का कारण उसके मुखपृष्ठ पर छपी एक युवती की आँखें थीं। कुछ खोजती हुईं, कुछ सोचती हुईं आँखें। मैं जानना चाहती थी कि कभी वह दुनिया उन्हें कैसी दिखाई देती थी। जब वे प्रेम में थीं और नहीं जानती थीं कि आगे क्या होने वाला है। इतने वर्षों बाद आखिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने अपने मन की बातें कहने का फैसला किया? अपनी उलझनों, संकोचों, इच्छाओं और दुखों को, भले कुछ ही सही, दूसरों के सामने खोलना चाहा? मैं समझना चाहती थी कि बार-बार अपनी दुनिया को बिखरते देखना कैसा होता है। और हर बार उसके टुकड़ों को समेटकर फिर जीवन बनाना कैसे संभव होता है? वह जीवन, जिसमें प्रेम है, अपनों को खोने का दुख है, स्मृतियाँ हैं और लगातार यह तलाश है कि आखिर अपना कौन है, अपना घर कहाँ है।

शायद मुखपृष्ठ की वे आँखें ही इस किताब का असली आकर्षण हैं। राजीव गांधी के कैमरे से ली गई सोनिया की श्वेत-श्याम तस्वीर। एक युवती, जिसके जीवन पर अभी इतिहास ने अपना दावा नहीं किया था। चेहरे पर सहजता है, अपने होने का आत्मविश्वास है। आँखों में कुछ खोजने, कुछ जानने की उत्सुकता है। और कोमलता के भीतर एक दृढ़ता भी झलकती है। किताब पलटिए। पिछले आवरण पर फिर सोनिया हैं। मगर कई दशक बाद की। इस बार तस्वीर उनके पोते ने ली है। रंगीन तस्वीर में वे खुलकर मुस्करा रही हैं। ऐसी आत्मीय मुस्कान, जिसमें न संकोच है, न किसी को कुछ जताने की कोशिश। मानो जीवन से अब कोई शिकायत नहीं। दोनों तस्वीरों को साथ देखिए। पहली में एक युवती अपने खयालों में खोई हुई है। आगे की दुनिया से बेखबर। दूसरी में वही स्त्री है, जिसने उस दुनिया को जी लिया है। प्रेम किया, परिवार बसाया, अपनों को खोया, सत्ता को करीब से देखा और ऐसे आघात सहे, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की होगी। फिर भी चेहरे पर सहज मुस्कान है। मानो जिंदगी ने जो दिया, जो छीना, उसके बाद अब किसी को कुछ साबित करना बाकी नहीं रहा। और इन दो तस्वीरों के बीच? एक पूरी जिंदगी है। ऐसी जिंदगी जिसे भारत ने दशकों तक देखा। उसके हर कदम पर राय बनाई। कभी अपनाया, कभी ठुकराया। उसके फैसलों की चीरफाड़ की, उसके इरादों पर संदेह किया। यहाँ तक कि उसकी निजी जिंदगी भी देश की राजनीतिक बहसों का हिस्सा बन गई। मगर अजीब है कि जिस चेहरे को भारत इतने वर्षों से जानता है, उस चेहरे के पीछे की स्त्री को कितना कम जानता है! राजीव से प्रेम करने वाली वह युवती कौन थी? भारत आने से पहले उसके सपने क्या थे? वह क्या चाहती थी? क्या सोचती थी? सोनिया गांधी बनने से पहले की सोनिया को जानने की उत्सुकता आखिर कितनों में रही? और जब विवाह, परिवार, देश और फिर इतिहास ने उसके जीवन की दिशा बदल दी, तब उसके भीतर की उस युवती का क्या हुआ? वह कितनी बची, कितनी बदली? हमने तो उसके जीवन का अर्थ भी अपनी-अपनी राजनीति से तय कर दिया। लेकिन उससे कभी पूछा ही नहीं कि उसने अपनी जिंदगी को कैसे जिया, कैसे समझा। 'बिलॉन्गिंगÓ एक ऐसे घर के भीतर ले जाती है, जिसे भारत पीढ़ियों से देखता आया है। मगर हमेशा बाहर से। नेहरू-गांधी परिवार की राजनीति, सत्ता, उसके उतार-चढ़ाव और विवादों के बारे में कितना कुछ लिखा-पढ़ा गया है। लेकिन उस घर के भीतर की जिंदगी? वहाँ भी वही रिश्ते हैं, जो किसी दूसरे परिवार में होते हैं। अपनापन है, छोटी-मोटी खटपट है, अनकही अपेक्षाएँ हैं, रिश्तों को निभाने की जिम्मेदारियाँ हैं। सोनिया की परिस्थितियाँ जरूर असाधारण थीं, लेकिन उनकी स्मृतियों में एक साधारण स्त्री की उलझनें भी हैं। एक नए घर में अपनी जगह बनाने की कोशिश। दूसरी भाषा, दूसरी संस्कृति, दूसरे रीति-रिवाजों को अपनाने की मुश्किल। और इस सबके बीच अपने पुराने घर, अपने देश, अपने बचपन का कुछ हिस्सा अपने भीतर बचाए रखने की चाह। सोचिए, इटली की एक युवती विवाह करके ऐसे परिवार में आई, जिसका इतिहास स्वतंत्र भारत के इतिहास से जुड़ा हुआ था। घर की मुखिया इंदिरा गांधी थीं। देश की प्रधानमंत्री। घर में सत्ता का वैभव था, प्रतिष्ठा थी, सुविधाएँ थीं। लेकिन क्या इन सबसे कोई अनजान घर अपना हो जाता है? क्या प्रधानमंत्री की बहू बन जाने से एक युवती की वे उलझनें खत्म हो जाती हैं, जो विवाह के बाद किसी नए संसार में कदम रखते हुए होती हैं? और क्या सत्ता की ताकत किसी को आने वाले दुखों से बचा सकती है? सोनिया ने तो राजीव से प्रेम किया था। उनके साथ जीवन बिताने के लिए भारत को चुना था। राजनीति नहीं चुनी थी। सत्ता की विरासत नहीं माँगी थी। वह तो बहुत बाद में ऐसी परिस्थितियों में उनके हिस्से आई, जिनकी उन्होंने शायद सपने में भी कल्पना नहीं की होगी।

किताब पढ़ते हुए मुझे बार-बार लगता है कि हम दो अलग-अलग सोनिया को देख रहे हैं। एक वह स्त्री, जो अपने जीवन को याद कर रही है। अपने प्रेम, परिवार, संकोच, सुख-दुख और बिछुडऩे वालों को। दूसरी वह सोनिया गांधी, जिसे भारत ने दशकों की राजनीति में अपने हिसाब से गढ़ रखा है। किसी के लिए त्याग की प्रतिमूर्ति, किसी के लिए सत्ता की महत्वाकांक्षी, किसी के लिए विदेशी और किसी के लिए नेहरू-गांधी परिवार की विरासत सँभालने वाली नेता। मगर इन तमाम छवियों के पीछे जो स्त्री है, वह कहाँ है? किताब में वह अपनी बात कह रही है। और हम हैं कि उसकी बात सुनने के बजाय फिर उसी पुरानी राजनीतिक सोनिया को खोज रहे हैं। किताब आई और एक बार फिर राजनीति की सोनिया, उस सोनिया पर भारी पड़ गईं, जो अपनी जिंदगी सुना रही हैं। किस घटना का क्या अर्थ है, किस स्मृति में कितना सच है, किस प्रसंग में कौन-सा राजनीतिक खुलासा छिपा है? बहस इन्हीं बातों पर चल पड़ी। लेकिन उन घटनाओं को जीने वाली स्त्री के बारे में जानने की उत्सुकता कितनों में थी? उसकी आँखों से उस समय को देखने की कोशिश किसने की? मानो सोनिया गांधी की अपनी कोई जिंदगी थी ही नहीं। जो था, वह सब राजनीति थी। पुराने विवाद लौट आए। वही आरोप, वही संदेह। वही धारणा कि सत्ता की महत्वाकांक्षा तो शुरू से रही होगी।

आज का राशिफल

मेषः राशि में कारोबार में सफलता मिलेगी और कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत होगी। सेहत पहले से अच्छी रहेगी। प्रेम और संतान का पक्ष मजबूत है, व्यापार भी बढ़िया चलेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा जिससे अटके हुए प्रोजेक्ट समय पर पूरे होंगे। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाने की योजना बन सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभः राशि में भाग्य साथ देगा और यात्रा का योग है। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। प्रेम और संतान की स्थिति अच्छी रहेगी और व्यापार भी ठीक चलेगा। पैतृक संपत्ति से जुड़े मामलों में आपको कोई बड़ा और सकारात्मक फैसला देखने को मिल सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिए उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

मिथुनः राशि में चोट लगने या किसी परेशानी में ँसने की आशंका है। हालात अनुकूल नहीं हैं, इसलिए सावधानी से दिन बिताएँ। प्रेम और संतान का साथ बना रहेगा। वाहन चलाते समय या सड़क पार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सख्त जरूरत है। किसी भी प्रकार के वाद-विवाद या कागजी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से पहले अच्छे से जांच-परख लें।

कर्कः राशि में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और उनके साथ अच्छा समय बीतेगा। सेहत, प्रेम और व्यापार, तीनों की स्थिति बहुत अच्छी है। साझेदारी के व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलने की पूरी संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। मित्रों और सगे-सम्बन्धियों के घर आना-जाना हो सकता है, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा रहेगा।

सिंहः राशि में शत्रुओं पर आपका दबदबा रहेगा। सेहत पहले से बेहतर होगी, प्रेम और संतान का साथ मिलेगा और व्यापार में तरक्की होगी। बस छोटी-मोटी शारीरिक तकलीफें बनी रह सकती हैं। विरोधी लाख कोशिशों के बावजूद आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे और अंततः आपकी ही विजय होगी। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ा पद या बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्याः राशि में प्रेम संबंधों में अपनापन बढ़ेगा, पर भावनाओं पर थोड़ा काबू रखना होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है और कारोबारी स्थिति भी ठीक रहेगी। कोई शुभ संकेत भी मिल रहा है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी की ओर से कोई कीमती उपहार मिल सकता है।

तुलाः राशि में घर या आसपास कलह के हालात बन सकते हैं, लेकिन भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी का योग भी है। प्रेम और संतान की स्थिति मध्यम रहेगी। पारिवारिक मामलों में शांति बनाए रखने के लिए अपनी वाणी और गुस्से पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। रियल एस्टेट या प्रॉपर्टी से जुड़े निवेश में आपको बड़ा और दीर्घकालिक मुनाफा मिल सकता है।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल के खिलाफ पहले मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड की कमान संभालेंगे पोचेतीनो

एजेंसी, लंदन

इंग्लिश प्रीमियर लीग के 2026-27 सत्र के 11वें सप्ताह में कई अहम मुकाबले खेले जाएंगे। सबसे ज्यादा नजरें लिवरपूल और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच होने वाले मुकाबले पर रहेंगी, जिसमें मॉरिसियो पोचेतीनो पहली बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के मुख्य कोच के रूप में टीम की कमान संभालेंगे। आर्सेनल के पास अपने शुरुआती 11 मैचों में 10 जीत हासिल करने वाली लीग की केवल पांचवीं टीम बनने का मौका होगा। एस्टन विला के कोच उनाई एमरी भी प्रीमियर लीग में क्लब के लिए अपना 150वां मुकाबला पूरा करेंगे। दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी की भिड़ंत फुलहम से होगी। सिटी ने सभी प्रतियोगिताओं में फुलहम के खिलाफ लगातार 20 मुकाबले जीते हैं, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक टीम के खिलाफ किसी दूसरी टीम की सबसे लंबी जीत की श्रृंखला है। इप्सविच टाउन का सामना टॉटेनहम हॉटस्पर से होगा। इप्सविच पिछले 29 लीग मुकाबलों में कोई भी मैच क्लीन शीट के साथ खत्म नहीं कर सका है। चेल्सी भी जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगी। मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम के खिलाफ सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले 20 मुकाबले जीते हैं। इनमें लीग के लगातार 17 मैच शामिल हैं। यह इंग्लिश फुटबॉल में किसी एक टीम के खिलाफ दूसरी टीम की सबसे लंबी जीत की श्रृंखला है। फुलहम ने सिटी के खिलाफ अपने पिछले 32 लीग मुकाबलों में हर बार गोल खाया है। इस दौरान सिटी ने कुल 80 गोल किए हैं। हालांकि, इस सत्र में सिटी अपने पिछले तीन लीग मैच हार चुकी है, जबकि फुलहम पिछले चार मुकाबलों से अपराजित है। उसने दो मैच जीते और दो ड्रॉ खेले हैं। एस्टन विला के कोच उनाई एमरी प्रीमियर लीग में क्लब के लिए अपना 150वां मुकाबला संभालेंगे। उनके नेतृत्व में विला ने 76 मैच जीते, 33 ड्रॉ खेले और 40 मुकाबले गंवाए हैं। मार्टिन ओ'नील के बाद वह विला के लिए 150 प्रीमियर लीग मैचों में कोचिंग करने वाले दूसरे प्रबंधक होंगे। इस सत्र में विला के निकोलस जैक्सन ने छह गोल किए हैं। उनसे अधिक गोल केवल एर्लिंग हालैंड (नौ) और अलेक्जेंडर इसाक (सात) ने किए हैं। बोर्नमाउथ ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ अपने सभी आठ लीग मुकाबलों में हार से बचाव किया है। इनमें चार जीत और चार ड्रॉ शामिल हैं। टीम पहली बार शीर्ष लीग में लगातार पांच मुकाबले जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। वर्ष 2026 में प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने 67, मैनचेस्टर सिटी ने 59 और ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने 50 अंक जुटाए हैं। बोर्नमाउथ 49 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। इस सत्र में बोर्नमाउथ के इवानिल्सन ने पांच गोल और चार असिस्ट सहित कुल नौ गोल योगदान दिए हैं। उनसे अधिक गोल योगदान किसी अन्य खिलाड़ी का नहीं है। चेल्सी ने सभी प्रतियोगिताओं में लीड्स के खिलाफ अपने पिछले 10 घरेलू मुकाबलों में से आठ जीते हैं। हालांकि, लीड्स ने पिछले सत्र में दोनों टीमों के बीच हुए लीग मुकाबलों में हार से बचाव किया था। लीड्स ने इस सत्र में लीग के दौरान केवल आठ गोल खाए हैं। इस मामले में आर्सेनल (पांच) और ब्राइटन (सात) उससे बेहतर हैं। लीड्स के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड का बचाव प्रतिशत 81.4 है, जो लीग में सर्वश्रेष्ठ है। पिछले सत्र की शुरुआत से जाओ पेड्रो के शुरुआती एकादश में रहने पर चेल्सी ने लीग में औसतन प्रति मैच 1.8 गोल किए हैं। वहीं, उनके शुरुआती एकादश में नहीं होने पर टीम का औसत घटकर 0.9 गोल प्रति मैच रह जाता है। कोवेंट्री ने क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ अपने छह प्रीमियर लीग मुकाबलों में से केवल एक गंवाया है। उसने दो मैच जीते और तीन ड्रॉ खेले हैं। दोनों टीमें मार्च 2012 के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में आमने-सामने होंगी। क्रिस्टल पैलेस ने इस सत्र में 10 लीग मैचों में 24 गोल खाए हैं।

ओलंपियन मनु भाकर आईएसएसएफ एथलीट्स समिति की सदस्य निर्वाचित

एजेंसी, नई दिल्ली



दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) की एथलीट्स समिति का सदस्य निर्वाचित किया गया है। उनका कार्यकाल 2026 से 2030 तक होगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) को महासंघ की ओर से मनु के निर्वाचन की आधिकारिक पुष्टि मिल गई है। म्यूनिख से 16 नवंबर को जारी आधिकारिक पत्र में आईएसएसएफ के अध्यक्ष लुसियानो रोसी और महासचिव एलेसांद्रो निकोत्रा डी सैन जियाकोमो ने मनु को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उनका निर्वाचन दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान सक्रिय निशानेबाजों के बीच कराए गए ऑनलाइन मतदान के आधार पर हुआ। इनमें मिस्र के काहिरा में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (300 मीटर राइफल) और कतर के दोहा में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) शामिल हैं। मनु भाकर उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें राइफल, पिस्टल और शॉटगन वर्गों से समिति के लिए चुना गया है। इस चुनाव में 20 सदस्य महासंघों के 22 उम्मीदवार मैदान में थे। प्रत्येक निशानेबाजी वर्ग से दो प्रतिनिधियों का चयन खिलाड़ियों ने अपने बीच से किया। समिति के शेष सदस्यों को अब आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति नामित करेगी। अपने निर्वाचन पर मनु भाकर ने कहा कि एथलीट्स समिति का सदस्य चुना जाना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने साथी निशानेबाजों के भरोसे के लिए आभार जताते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों की आवाज को मजबूती से उठाने, नियमों और प्रतियोगिता कार्यक्रमों को अधिक स्पष्ट बनाने तथा खिलाड़ियों के लिए बेहतर सहयोग व्यवस्था विकसित करने की दिशा में काम करेंगी। साथ ही जमीनी स्तर पर नई प्रतिभाओं को तैयार करने और पूरे निशानेबाजी समुदाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनआरएआई ने मनु के निर्वाचन का स्वागत करते हुए कहा कि इससे वैश्विक स्तर पर खिलाड़ियों के हितों और उनकी समस्याओं को उठाने में भारत की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह नियुक्ति लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने शेन डिट्ज

एजेंसी, लाहौर



पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शेन डिट्ज को अपनी महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी द्विपक्षीय सीरीज से पहले अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। 51 वर्षीय डिट्ज को कोचिंग का अच्छा अनुभव है। वह हाल ही में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच थे। उनके मार्गदर्शन में वेस्टइंडीज की टीम ने 2024 और 2026 के लगातार दो आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। डिट्ज बांग्लादेश और नीदरलैंड की महिला राष्ट्रीय टीमों के साथ भी काम कर चुके हैं। अपने कोचिंग करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने 2008 से 2013 तक न्यूजीलैंड के क्रिकेट वेलिंगटन में हाई परफॉर्मेंस कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। नियुक्ति पर खुशी जताते हुए डिट्ज ने कहा, "पाकिस्तान महिला टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। पाकिस्तान क्रिकेट का शानदार इतिहास रहा है। मुझे आज भी याद है कि बचपन में ऑस्ट्रेलिया में रहते हुए 1992 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन किया था। वह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।" डिट्ज ने पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर अपने लक्ष्य भी साझा किए। उन्होंने कहा, "2028 में हम टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे और हमारा लक्ष्य घरेलू मैदान पर अपने समर्थकों को जश्न मनाने का मौका देना है। विश्व कप में प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन करने के लिए हमें काफी काम करना होगा। विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ, सभी को खुद को बेहतर बनाना होगा।" उन्होंने आगे कहा, "मैं पहले भी तीन बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका हूं।

फिलिस्तीन के खिलाफ बड़ी परीक्षा से गुजरेगी भारतीय अंडर-17 टीम

एजेंसी, कुआलालंपुर



एएफसी अंडर-17 एशियाई कप उज्बेकिस्तान 2027 के क्वालीफायर में भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम मंगलवार को अपने सबसे चुनौतीपूर्ण मुकाबले में फिलिस्तीन का सामना करेगी। ग्रुप ई के इस मुकाबले में दोनों टीमें अपने शुरुआती दो मैच जीतकर मैदान पर उतरेंगी। ऐसे में ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने की राह में यह मुकाबला अहम साबित हो सकता है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार, भारत ने अपने पहले मुकाबले में सिंगापुर को 4-2 से हराया और इसके बाद गुआम के खिलाफ 12-0 की शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर, फिलिस्तीन ने मेजबान मलेशिया को 2-0 और गुआम को 5-0 से शिकस्त दी है। दोनों टीमों के छह-छह अंक हैं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के आधार पर भारत ग्रुप ई में शीर्ष पर है। भारत का गोल अंतर प्लस 14 है, जबकि फिलिस्तीन प्लस सात के साथ दूसरे स्थान पर है। अंक बराबर होने की स्थिति में आमने-सामने के मुकाबले को पहली वरीयता दिए जाने के कारण मंगलवार का मैच ग्रुप में शीर्ष स्थान और अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम का फैसला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस ग्रुप से केवल एक टीम को क्वालीफाई करना है। भारत और फिलिस्तीन के बीच एएफसी की युवा प्रतियोगिताओं में यह चौथा मुकाबला होगा। इससे पहले दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीता है, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है। फिलिस्तीन ने 2016 एएफसी अंडर-19 चैंपियनशिप क्वालीफायर में भारत को 1-0 से हराया था। वहीं, भारत ने 2018 एएफसी अंडर-16 चैंपियनशिप क्वालीफायर में 3-0 से जीत दर्ज की थी। दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के दौरान हुई थी, जो 1-1 से ड्रॉ रही थी।

बिजनेस

गोयल ने मिस्र की इन्फिनिटी एनर्जी के साथ वाहन विनिर्माण और सहयोग पर चर्चा की

एजेंसी, नई दिल्ली





केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने काहिरा में मिस्र की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी इन्फिनिटी एनर्जी के चेयरमैन मोहम्मद इस्माइल मंसूर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान वाहन विनिर्माण और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए चर्चा की। गोयल ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''इन्फिनिटी एनर्जी के चेयरमैन मोहम्मद इस्माइल मंसूर से मुलाकात की और संभावित अवसरों पर चर्चा की। मिस्र के प्रमुख कारोबारियों के बीच भारत के साथ जुड़ाव बढ़ाने में रुचि बढ़ रही है।'' केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने मिस्र की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी इन्फिनिटी एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ वाहन विनिर्माण और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए चर्चा की। गोयल ने लिखा, ''हम वाहन विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), वाहन कलपुर्जे, वित्तीय प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल भुगतान, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक, भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अच्छी संभावनाएं देखते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक एवं तेजी से बढ़ता बाजार, मजबूत विनिर्माण परिवेश, कुशल कार्यबल और निवेश के लिए अनुकूल माहौल मिस्र के कारोबारियों के लिए भारत की विकास यात्रा में भागीदारी का सुनहरा अवसर है।

भारत, मिस्र 90 दिन में व्यापार समझौते पर शुरू कर सकते हैं बातचीत : इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और मिस्र के अधिकारी व्यापार समझौते के लिए विचारार्थ विषयों (टीओआर) को अंतिम रूप देंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि दोनों देश अगले 90 दिन में दोनों देश समझौते के लिए औपचारिक बातचीत शुरू कर देंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने देर रात काहिरा की अपनी दो दिवसीय यात्रा पूरी कर ली है। उन्होंने भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के लिए देश के नेताओं और कारोबारियों के साथ कई बैठकें कीं। उन्होंने कहा, ''इस यात्रा से मुझे उन क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने में मदद मिली, जहां मेरी कंपनी मिस्र की कंपनियों के साथ सहयोग कर सकती है।'' दोनों भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। उल्लेखनीय है कि गोयल अपने मिस्र दौरे के दौरान 100 से अधिक सदस्यों वाले कारोबारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए व्यापार समझौते की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उनका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

केंद्र ने डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल गेन्स टैक्स) फिर बढ़ा दिया है। हालांकि, पेट्रोल पर यह शुल्क शून्य ही रखा गया है। नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू स्तर पर ईंधन की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। वित्त मंत्रालय ने 16 नवंबर की देररात जारी अधिसूचना में बताया कि सरकार ने 16 नवंबर से शुरू हुए पखवाड़े के लिए डीजल और एटीएफ के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल पर यह शुल्क शून्य रखा गया है। अधिसूचना के मुताबिक विमान ईंधन के निर्यात पर विंडफॉल शुल्क बढ़ाकर 12.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जो इससे पिछले पखवाड़े के लिए 11 रुपये प्रति लीटर था।

इसी तरह डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) और सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर की दर अब बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जो पहले 11.5 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क शून्य ही रखा गया है। मंत्रालय ने जारी अधिसूचना में कहा कि शुल्क में ये बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल की मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यात को हतोत्साहित कर पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 27 मार्च को डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क को लगाया था। हर पखवाड़े इसकी दर में संशोधन किया जाता है। इसका उद्देश्य निर्यातकों को कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना भी है क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई थीं।

भारत-मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा, निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को 12 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने, निवेश बढ़ाने और औद्योगिक सहयोग मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने पारस्परिक लाभ के लिए तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए), मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) या व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की 15 और 16 नवंबर की मिस्र यात्रा के दौरान यह सहमति बनी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, गोयल की यह किसी अफ्रीकी देश की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। इस दौरान उन्होंने भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति की सातवीं बैठक की सह-अध्यक्षता की और दोनों देशों के कारोबारी प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने मिस्र के प्रधानमंत्री डॉ. मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की और वहां के कई मंत्रियों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की। भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति की सातवीं बैठक 15 नवंबर को गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री डॉ. मोहम्मद फरीद सालेह की सह-अध्यक्षता में हुई। इस समिति को मंत्रीस्तरीय स्तर पर उन्नत किया गया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार की समीक्षा की और व्यापार के दायरे में विविधता लाने, अधिक मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने, बाजार तक पहुंच मजबूत करने तथा व्यापार संबंधी बाधाओं को दूर करने पर सहमति जताई। मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 5.04 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 64 फीसदी अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने मिस्र को 3.87 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया, जबकि मिस्र से 2.60 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात किया गया। बैठक में कृषि और पशु चिकित्सा सहयोग, औषधि एवं स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन और पेट्रोकेमिकल, उर्वरक, कपड़ा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, सीमा शुल्क, सेवाओं, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, खाद्य सुरक्षा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स सहित कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, कच्चे तेल की नरमी से सेंसेक्स में 449 अंकों की उछाल

एजेंसी, नई दिल्ली



हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। बीएसई का सेंसेक्स करीब 449 और एनएसई का निफ्टी 110 अंकों की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। बाजार में आज बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 448.73 अंक यानी 0.55 फीसदी की उछाल के साथ 82,553.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। एनएसई का निफ्टी भी 109.75 अंक यानी 0.43 फीसदी बढ़कर 25,400.85 अंक के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर सबसे अधिक तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड और एनटीपीसी के शेयर में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में कारोबार कर रहे हैं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.88 फीसदी की गिरावट के साथ 91.65 डॉलर पर कारोबार कर रहे हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को शुद्ध रूप से 4,864.68 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स सोमवार को 512.34 अंक और निफ्टी 146.80 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ था। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले सोमवार को 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 512.34 अंक यानी 0.63 फीसदी की उछाल के साथ 82,104.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 146.80 अंक यानी 0.58 फीसदी बढ़कर 25,291.10 अंक पर बंद हुआ था।





वॉटर स्कीइंग का शौक वरुण धवन को पड़ा भारी

अगली फिल्म की शूटिंग से पहले हुए चोटिल

अभिनेता वरुण धवन इन दिनों काम से ब्रेक लेकर बीच वेकेशन का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें वह समुद्र किनारे मस्ती करते, पिज्जा खाते, सर्फिंग करते और अलग-अलग एडवेंचर का मजा लेते नजर आ रहे हैं। इस बीच वरुण ने बताया कि अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने से पहले वॉटर स्कीइंग करते हुए उनकी कलाई में चोट लग गई है। वरुण ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की, जिनमें उनकी छुट्टियों के अलग-अलग पल देखने को मिल रहे हैं। कहीं वह समुद्र किनारे पिज्जा खाते नजर आ रहे हैं, तो कहीं नहाने का आनंद ले रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने पैडल खेलते हुए, समुद्र में सर्फिंग करते हुए और डूबते सूरज का खूबसूरत नजारा देखते हुए भी तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, इंद्रधनुष देखा। सातवीं तस्वीर देखना मत भूलिए, यह मेरी सबसे पसंदीदा याद है। वहीं, समुद्र किनारे पिज्जा खाते हुए तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, बीच पर पिज्जा खाया। इसके अलावा, उन्होंने अपने दूसरे अनुभवों को छोटे-छोटे कैप्शन के जरिए बताया। इनमें खुले में नहाना, पैडल खेलना और सनसेट देखना शामिल रहा। हालांकि, अपनी छुट्टियों के दौरान किए गए एडवेंचर के बारे में बताते हुए वरुण ने एक ऐसी बात साझा की, जिसने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने लिखा, वॉटर स्कीइंग की और शूटिंग शुरू करने से पहले मेरी कलाई में चोट लग गई। अभिनेता ने वॉटर स्कीइंग करते हुए एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह पानी पर इस एडवेंचर का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान उनकी कलाई चोटिल हो गई। वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण धवन बदलापुर, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, अक्टूबर, जुगजुग जियो, भेडिया और बेबी जॉन जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। वह पिछली बार फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई दिए थे। इस फिल्म के जरिए उन्होंने लंबे समय बाद अपने पिता और फिल्ममेकर डेविड धवन के साथ काम किया था। फिल्म में मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

प्रेगनेंसी के शुरुआती 3 महीने थे बहुत कठिन, महिलाओं का साथ जरूरी : कियारा आडवाणी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने गर्भावस्था के अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शुरुआती कुछ मुश्किल महीनों में उन्हें अपने जीवन की अन्य महिलाओं से किस तरह का सपोर्ट और समझ मिली। कियार एक बच्चे की मां हैं। उन्होंने फिल्म निर्माता करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में अपनी गर्भावस्था के सफर के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शुरुआती महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि उन्हें जी मिचलाने और हार्मोनल बदलावों का सामना करना पड़ा था। शो के दौरान कियारा ने कहा था, शुरुआती तीन महीने बहुत कठिन थे। आपको जी मिचलाने की समस्या और कई तरह के हार्मोनल बदलावों से गुजरना पड़ता है। यह याद करते हुए कि कैसे उन्होंने और उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शुरुआत में किसी को भी गर्भावस्था के बारे में न बताने का फैसला किया था, कियारा ने बताया कि जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपने आस-पास की महिलाओं के सहारे की जरूरत है। उन्होंने बताया, उस समय हमने सोचा था कि हम किसी को नहीं बताएंगे। लेकिन फिर मैंने कहा, नहीं सिड, मुझे अपनी मां से बात करनी है, मुझे अपनी सास की जरूरत है। मुझे महिलाओं की जरूरत है। मुझे अपने जीवन में ऐसी महिलाओं की जरूरत है जो मुझे समझ सकें। अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के बीच साझा किए गए ऐसे अनुभवों ने उन्हें इस नाजुक दौर में काफी सुकून दिया।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कभी-कभी मैं अपनी सहेलियों के साथ बैठकर रोती थी और वे बस मुझे वैसे ही रहने देती थीं (बिना कुछ कहे मुझे सहारा देती थीं)। और फिर, जिंदगी खूबसूरत हो जाती है। कियारा 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी गर्भावस्था की घोषणा भी कर चुकी हैं। अपनी बेटी साराया के छोटे से हाथ की एक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें उसने बच्चों के मोजे पकड़े हुए हैं, उन्होंने लिखा, हमें एक बार फिर सबसे बड़ा उपहार मिला है। हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भरा हुआ है।



कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा : श्रुति हासन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब के सेवन जैसे संवेदनशील विषयों पर अपनी बेबाक राय साझा की। कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर श्रुति का मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर को लेकर फैसले लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इन फैसलों को छिपाना या उनके बारे में असत्य बोलना उन्हें अनुचित लगता है। अभिनेत्री ने कहा कि वे एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में लोगों के सामने बड़ी हुई हैं, ऐसे में कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा। उन्होंने कुछ लोगों के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी के व्यक्तिगत चुनाव से आपत्ति नहीं है, बल्कि उस चुनाव को स्वीकार न करने या उस पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति से है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहतीं, बल्कि केवल सच्चाई सामने रखने की बात करती हैं। अपनी जिंदगी के एक और निजी पहलू पर बात करते हुए श्रुति ने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं, इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब का सेवन नहीं किया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया है, लेकिन अब वे इसे लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उन्होंने हमेशा यह खुलकर स्वीकार किया है कि शराब उनके लिए अच्छी नहीं रही है। फिलहाल वे इसे संभालने और नियंत्रित करने के प्रयास में हैं, ताकि यह उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। श्रुति हासन भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की पुत्री हैं।

अपेक्षा पोरवाल ने जेलर-2 में रजनीकांत के साथ अपने अनुभव को बताया सपने के सच होने जैसा

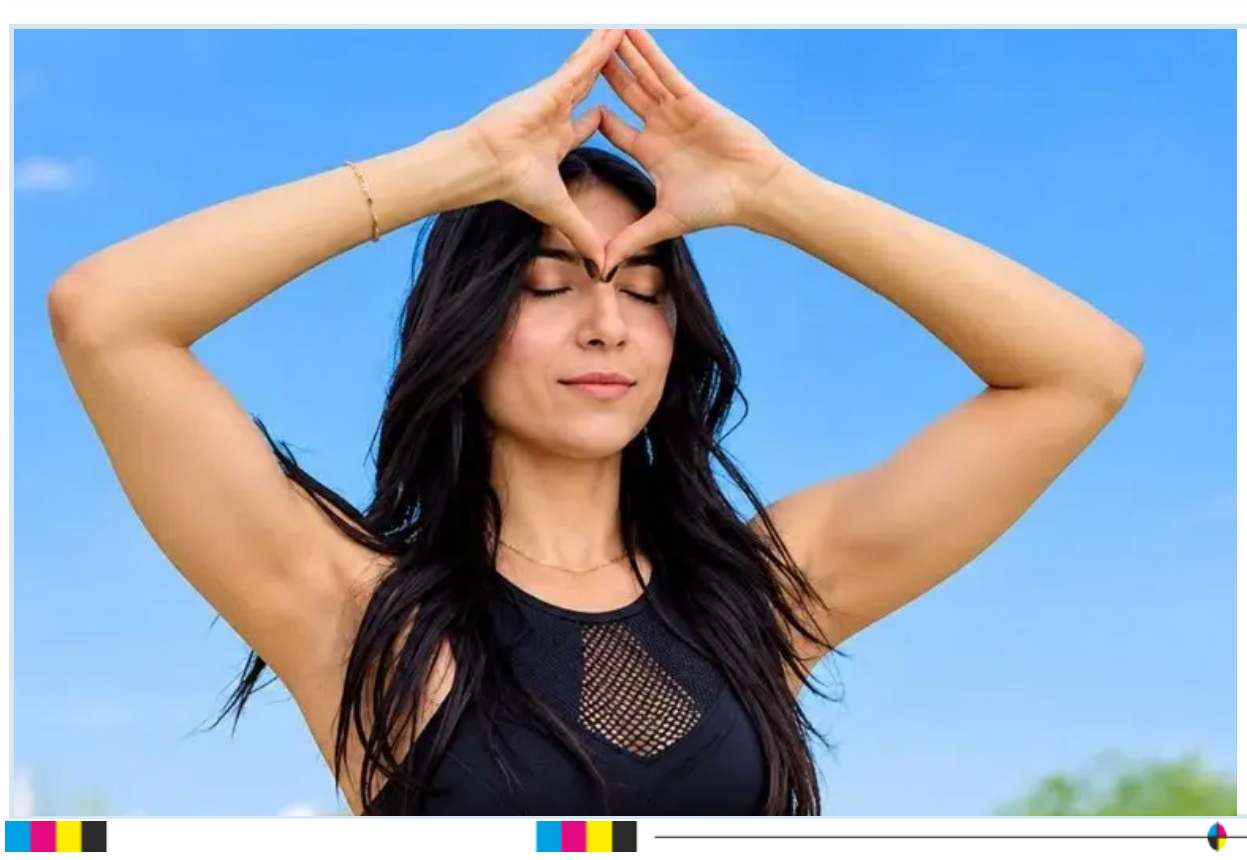


अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर 2 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने साथ बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने आगे कहा, जेलर 2 में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग जितने ज्यादा बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है। फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।

अर्थशॉट प्राइज पहली बार भारत में देगा दस्तक, होगा भव्य आयोजन

प्रिंस विलियम द्वारा शुरू किया गया प्रतिष्ठित अर्थशॉट प्राइज पहली बार भारत में दस्तक देने जा रहा है। आगामी 17 नवंबर को मुंबई में होने जा रहे इस भव्य समारोह में प्रिंस विलियम के साथ भारतीय सिनेमा और खेल जगत की कई प्रमुख हस्तियों जैसे करण जौहर, आलिया भट्ट, सोनम कपूर, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और गायिका श्रेया घोषाल की मौजूदगी देखने को मिल सकती है। पांच दिनों तक चलने वाले एक महत्वपूर्ण पर्यावरण सम्मेलन का ग्रैंड फिनाले होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑस्कर विजेता अभिनेता रामी मालेक भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। वहीं, ब्रिटिश पॉप बैंड टेक दैट भी पहली बार भारत में अपनी संगीतमय प्रस्तुति देगा, जिससे शाम और भी यादगार बन जाएगी। करीब 5,000 मेहमानों की संभावित उपस्थिति वाले इस समारोह में पांच प्रमुख श्रेणियों में विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। इनमें प्रकृति का संरक्षण, स्वच्छ हवा प्रदान करना, समुद्रों को बचाना, कचरे को कम करना और जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना शामिल है। खास बात यह है कि इस भव्य आयोजन की गूंज 240 से अधिक देशों तक पहुंचेगी, जो इसके वैश्विक महत्व को दर्शाता है। यह कार्यक्रम सिर्फ एक अवॉर्ड समारोह नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अभिनव समाधानों को बढ़ावा देने का एक वैश्विक मंच है। आयोजन की शुरुआत 13 से 15 नवंबर तक जयपुर मोमेंटम रिट्रीट के साथ होगी। इसके बाद, 130 युवा क्लाइमेट लीडर्स जनरेशन अर्थशॉट कार्यक्रम के तहत एक साथ जुटेंगे, जहां वे पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने विचारों और समाधानों पर चर्चा करेंगे। 16 नवंबर को होने वाली इम्पैक्ट असेंबली में नई साझेदारियों को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और पर्यावरण से जुड़े अभिनव समाधानों को बड़े स्तर पर पहुंचाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अर्थशॉट प्राइज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेसन नॉफ ने भारत को क्लाइमेट एक्शन की ग्लोबल राजधानी बताते हुए कहा कि दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले भारत से सबसे ज्यादा अर्थशॉट प्राइज फाइनलिस्ट और विजेता सामने आए हैं। उन्होंने भारत में इस आयोजन को घर वापसी जैसा बताया। इस साल भारत से दो फाइनलिस्ट चुने गए हैं, जो देश के नवोन्मेषी प्रयासों को प्रदर्शित करते हैं। इनमें महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी अपने इलेक्ट्रिक रिक्शा के लिए, जबकि महिला हाउसिंग ट्रस्ट महिलाओं और परिवारों को भीषण गर्मी से निपटने में सशक्त बनाने के लिए अपनी अनूठी पहल के लिए दौड़ में शामिल है।





हाकिनी मुद्रा : तनाव और चिंता से पाना है छुटकारा, तो रोज करें ये ब्रेन पावर मुद्रा

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मन को शांत और एकाग्र बनाए रखना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में योग और मुद्राएं शरीर के साथ-साथ दिमाग को भी शांत रखने में मदद कर सकती हैं। इन्हीं में से एक है, हाकिनी मुद्रा। इसे एकाग्रता और मानसिक संतुलन से जुड़ी मुद्रा माना जाता है। हाकिनी मुद्रा योग और ध्यान की एक विशेष हस्त मुद्रा है, जिसका नाम तीसरे नेत्र (आज्ञा चक्र) की देवी हाकिनी के नाम पर रखा गया है। इसे मस्तिष्क शक्ति मुद्रा या पावर पोज भी कहा जाता है। दोनों हाथों की उंगलियों के सिरों को आपस में मिलाया जाता है। इसके नियमित अभ्यास से ध्यान लगाने और मन को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने



हाकिनी मुद्रा को सरल और महत्वपूर्ण हस्तमुद्रा बताया है, जिसे ब्रेन पावर मुद्रा या पावर जेस्चर भी कहा जाता है। यह तनाव और घबराहट को कम करता है। जो लोग लगातार चिंतित रहते हैं या डिप्रेशन का सामना कर रहे हैं, उनके लिए यह मुद्रा मानसिक शांति और संतुलन का काम करती है। साथ ही, यह आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद करती है। इसे करने से न केवल व्यक्ति अपने कार्यों के प्रति उत्साहित और प्रेरित महसूस करता है, बल्कि मानसिक स्थिरता और ऊर्जा भी बढ़ती है। इसके अलावा, हाकिनी मुद्रा नींद की गुणवत्ता को सुधारने में भी मदद करती है। दिनभर की थकान और तनाव के कारण कई लोगों को रात में नींद नहीं आती। इस मुद्रा का अभ्यास शरीर में रक्त संचार बढ़ाता है और ऑक्सीजन का प्रवाह सुधारता है, जिससे नींद गहरी और संतुलित होती है। इसके नियमित अभ्यास से नर्वस सिस्टम, टिश्यू और सेल्स की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है। इससे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति दिनभर सक्रिय महसूस करता है। आयुष मंत्रालय और योग दिशा-निर्देशों के अनुसार, हाकिनी मुद्रा बेहद सुरक्षित और सरल हस्त मुद्रा है, जिसके कोई गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होते। उंगलियों के सिरों को आपस में मिलाते समय उन पर ज्यादा जोर या दबाव न दें; उंगलियां केवल हल्की सी एक-दूसरे को छूने वाली स्थिति में होनी चाहिए।

Himalayan climate concerns need global attention, science-led action: ICIMOD chief

New Delhi, Agency: With mountain ecosystems facing growing climate threats, scientific evidence must guide policy decisions on mitigation and adaptation, particularly in the Himalayas, Pema Gyamtsho, Director General of the International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD).

Speaking to Media on the sidelines of the UN Climate Change Conference (COP31), Gyamtsho said scientific research must not remain confined to academic discussions but should translate into policies and decisions that address the impact of climate change on mountain regions.

"Science needs to be followed in order to reduce the impacts of climate change on the mountains through mitigation and adaptation," he said.

He added that communicating scientific findings in a language understood by policymakers, local communities and climate negotiators was equally important.

"In many cases, it's a question of the right kind of



communication. However, science not being taken seriously is no excuse for us not to pursue this line because science has to inform policies. Ultimately, science has to inform the decisions that we make," Gyamtsho said.

On whether the Himalayas would feature in the final outcome of COP31, Gyamtsho said discussions at the conference indicated growing international attention to the region, particularly after recent disasters in Nepal. "From what I've heard at these different sessions, there's a lot of talk and attention on the Himalayas, particularly in connection with the recent disasters in Nepal," he said.

The conference, which began on November 9, saw proposals by Nepal, Bhutan and Kyrgyzstan to secure dedicated agenda space for mountain-related climate concerns fail to find support from major negotiating blocs.

Nepal and Bhutan had sought a scientific assessment of mountain ecosystems, an annual high-level political dialogue and a dedicated UN climate work programme. They also called for mountain-specific priorities to be included in global climate adaptation and finance frameworks.

Kyrgyzstan separately proposed an annual dialogue on mountains and climate change as a standing agenda item at meetings of the UN climate body's subsidiary bodies.

Both proposals featured in the supplementary provisional agenda issued by the UN Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) on November 6. However, neither was retained as a separate agenda item when countries adopted the agenda on the opening day.

As a compromise, parties agreed that the COP31 presidency would hold consultations on mountain-related issues. The subject will also be taken up in a research dialogue and discussions at meetings of the subsidiary bodies in 2027 and 2028.

Govt opens applications for companies to be consent managers under data law

New Delhi, Agency: Govt has opened applications for companies to become consent managers under India's data protection law. Once registered, these firms will be able to offer a website or app where users can review the permissions they have given to participating businesses and grant or withdraw consent.

For users, the service could bring permissions from several businesses into one place. For instance, a user could review a data request from one company and withdraw an earlier permission given to another through the same app, if both businesses are on the platform.

Consent managers will have to give users access to their consent



history, including requests they declined and permissions they withdrew. Rules require firms to keep these records for at least seven years, put safeguards in place to prevent data breaches and avoid conflicts of interest with the businesses whose requests they handle. The registration framework under the Digital Personal Data Protection Act took effect on Nov 13.

'Completely false': NCP (SP) rejects merger buzz after Supriya Sule says talks ended with Ajit Pawar's death

New Delhi, Agency: The Sharad Pawar-led Nationalist Congress Party (NCP-SP) on Saturday dismissed reports of a possible merger with the Ajit Pawar-led faction as "completely false", saying it had no plans to merge with any other political party.

NCP (SP) spokesperson Pravin Kunte Patil alleged that the reports were being deliberately circulated to divert public attention from pressing issues such as drought, inflation, unemployment, alleged vote theft and irregularities in Maharashtra Public Service Commission (MPSC) examinations.

"Our official stand is that



those who wish to merge should join our party," Kunte Patil said, Media reported.

His remarks came amid renewed speculation about a possible reunion between the two NCP factions: the one led by Sharad Pawar and the other headed by Maharashtra Deputy chief minister Sunetra Pawar.

Earlier in the day, NCP (SP) working president Supriya Sule said discussions about a merger had ended for her following the death of her cousin, former NCP chief Ajit Pawar. She also said she had received no communication from leaders of the other faction on the matter.

Speaking to reporters, Sule said merger discussions had taken place when Ajit Pawar was alive and that a date had even been decided. However, she said the discussions came to an end after his death.

"When my brother (then NCP chief Ajit Pawar) was alive, there were discussions about a merger. A date had also been decided. But the day my brother passed away, the merger issue came to a full stop for me and within our party," Sule said.

She said her party had neither made any announcement on a merger after Ajit Pawar's death nor responded to statements from the other faction.

"No spokesperson from our side has spoken on this issue in the last several months," she said. Sule also said she had received no communication from the Ajit Pawar faction about a possible merger.

"Not a single phone call, WhatsApp message, SMS, letter or email has come to me from anyone in the Ajit Pawar faction regarding a merger. Nobody has contacted me.

'Exposes BJP's tall claims that everything is hunky-dory': Congress on recent J&K attacks

New Delhi, Agency: Jammu and Kashmir Congress chief Tariq Karra on Saturday said recent attacks in the Valley had exposed the Centre's "tall claims of peace" and that "everything is hunky-dory" in the Union Territory.

Speaking to reporters at a party function marking the birth anniversary of India's first prime minister, Jawaharlal Nehru, Karra cited the attack on CRPF personnel in Kulgam and the killing of two Special Police Officers (SPOs) in Kishtwar as evidence that the security situation remained a concern.

He criticised Prime Minister Narendra Modi and Union home minister Amit Shah for citing open markets, functioning schools and the absence of strikes or stone-pelting as signs



of normalcy in Kashmir, alleging that such claims overlooked the situation on the ground.

"Whenever something like this happens, the government of India stands in the dock. You must have heard repeatedly, both inside and outside Parliament, whether it is the prime minister or the home minister; when it suits them, they say Kashmir is very peaceful, and nothing happens there," he said.

Karra alleged that the Centre tried to project an image of peace internationally but was exposed by its "poor performance and wrong policies".

"Such incidents expose the tall claims of the BJP, including those of the prime minister and home minister, that everything is hunky-dory... It (attacks) is a failure of the security apparatus and the policies adopted by the government of India," he said. "The Centre forgets that this is a deceptive calm. If this is not a deceptive calm, then how do such incidents happen?" he added.

Karra's remarks came days after terrorists riding a motorcycle opened fire on CRPF personnel at a checkpoint in Kulgam district on Wednesday afternoon, injuring three security personnel.

Spate of ragging cases forces NMC to direct strict action

New Delhi, Agency: A spate of disturbing ragging complaints by first-year MBBS students - ranging from being forced to imitate sexual acts, change clothes in front of others to late-night humiliation and social boycotts - has prompted National Medical Commission (NMC) to issue 18 notices or communications to 15 medical colleges between Oct 16 and Nov 11. The complaints, received by NMC's anti-ragging cell, concern 14 colleges in Rajasthan and one in Karnataka. They allege physical and verbal abuse, sexual humiliation, coercive activities, restrictions on juniors' movement, and threats of academic retaliation. The action comes amid a separate ragging case at Govt Medical College, Jalaun, UP, where videos of alleged harassment of junior students surfaced online in Oct. The college initially suspended seven



senior students for a week. Following a wider inquiry, 10 more were found involved, taking the total to 17 students, who were subsequently suspended for three months and fined Rs 25,000 each.

In most cases, NMC sought detailed action taken reports within 24 hours, directing colleges to identify those involved, preserve footage from CCTV cameras and digital evidence, conduct impartial inquiries and protect complainants from intimidation.

It has advised colleges to take the strictest action against students found guilty, including suspension or cancellation of their medical registration, an NMC official told Media. Citing Gujarat as an example, he said some students' registrations had been suspended there.

He stressed that enforcement largely rested with state authorities and medical councils, adding lenient approach has often allowed offenders to escape action. "NMC will support the harshest action, provided due process is followed," the official said.

Dr Lakshya Mittal, chairperson United Doctors Front said, "Young students enter medical colleges to build their future, not to face intimidation and exploitation. State govts must act immediately, order independent probes and hold college authorities accountable. No institution can be allowed to shield abuse in the name of tradition."

Manipur CM chairs security review after fresh violence kills five

New Delhi, Agency: Manipur chief minister Y Khemchand Singh on Saturday chaired a high-level security review meeting after fresh violence in the state claimed five lives, including four civilians in Ukhrul district. This came after on Friday, a woman was killed in Taphou Kuki village in Kangpokpi district, while four people were shot dead at New Heaven in Ukhrul. The meeting reviewed the law and order situation and discussed measures to strengthen security, particularly in vulnerable areas. It was decided that combing operations would continue to apprehend those involved in criminal activities, a statement said, Media reported. Security forces were also directed to strengthen security in their respective areas of deployment.

The meeting was attended by home minister Govindas Konthoujam, chief secretary Rajeev Singh Thakur, DGP Mukesh Singh, senior officers of the Assam Rifles, CRPF and BSF, and representatives of other central agencies.

Meanwhile, Naga People's Front (NPF) MLA Leishiyo Keishing demanded strict action against those responsible for the killing of four civilians in Ukhrul.

Keishing made the demand during a visit to the Jawaharlal Nehru Institute of Medical Sciences



(JNIMS) in Imphal, where the bodies of the victims were brought for post-mortem examination.

He appealed to civil society organisations, village authorities and youth leaders to initiate dialogue and work towards restoring peace. He cautioned that retaliatory violence would only lead to further loss of innocent lives.

Family members of the deceased gathered at the JNIMS mortuary complex to pay floral tributes. A large number of people also took to the streets to pay their respects to the four victims, who belonged to the Tangkhul Naga community.

The Tangkhul Naga Long (TNL), the community's apex body, issued a three-day ultimatum to the state government, demanding that "Kuki militants" be driven out of Naga-inhabited areas.

Pitroda dismisses Rahul's claim PM tapping his phone

New Delhi, Agency: A day after Congress neta Rahul Gandhi said his phone is being tapped by PM Narendra Modi, Overseas Congress chief Sam Pitroda said his telephone is under constant surveillance and his laptops and bank accounts are always under attack, though he did not know who was behind it. On being asked to comment on



Rahul's allegation that Modi is tapping his phone, Pitroda said, "The PM does not do that. The PM does not take a screwdriver and get on a computer to tap it. But somebody is doing it." He refused to comment on Rahul's allegation naming Modi. "That is for Rahul Gandhi to do. I am telling you my side," he said. Pitroda, however, said he had shown his laptop to Apple and other experts who told him, "You are always under attack."

When pressed to answer who was behind the tapping and attacks on devices, Pitroda told NDTV, "I don't know who does that, but somebody is doing it." Suggesting that he is being targeted in every way possible, Pitroda said, "People do that.

AI Delhi-SFO was 2.5 hours away from destination when US ATC failed; all 5 AI flights landed on time

New Delhi, Agency: Air India's Delhi-San Francisco (SFO) nonstop was over the Pacific and just about two hours away from its destination, when the US ordered a ground stop on Friday the 13th when Uncle Sam's outdated air traffic control (ATC) systems began to fail. There were four other AI nonstops, all to New York via the Atlantic route, but they were further away from their destinations. Luckily, the US Air Traffic Control System Command Centre (ATCSCC) advisory issued at 2.24 am (IST of Nov 14) to announce the ground stop said "inbound international flights will be managed on a case by case



basis" while asking all departing flights to remain on ground. The Boeing 777 (VT-ALS) landed in SFO at 5 am.

"As soon as the ATCSCC advisory was issued at 2.24 am, AI flight operations buzzed the leadership team and they went into a huddle. SFO flight was the closest to its destination and proceeded since the pilots, who were in touch with Oakland control at that time, were not told to divert as per the advisory which meant the B777 will be allowed to land," said people in the know.

AI kept a close eye on the developing situation and the four other flights - one each from Delhi and Mumbai to Newark (EWR) and JFK - kept proceeding to their destinations. The outage lasted about five hours and these all landed as per schedule.

Of the five return flights these aircraft were to operate back home, only SFO-Delhi (via Kolkata) was delayed by about 2 hours and 40 minutes due to congestion at SFO. "All the other flights, two each out of EWR and JFK, operated on time," said an official, adding Saturday-Sunday night departures were also on time except for the delayed arrival from SFO.

AI senior pilots said this is the second time in less than four years that US faced an air traffic communication issue, although Friday the 13th was by far the most serious one. On Jan 10, 2023, the US Federal Aviation Administration was unable to issue notice to airmen (NOTAM) for some hours and it had to activate a hotline to manage the situation then.